जनवरी-2024

दीप कमल

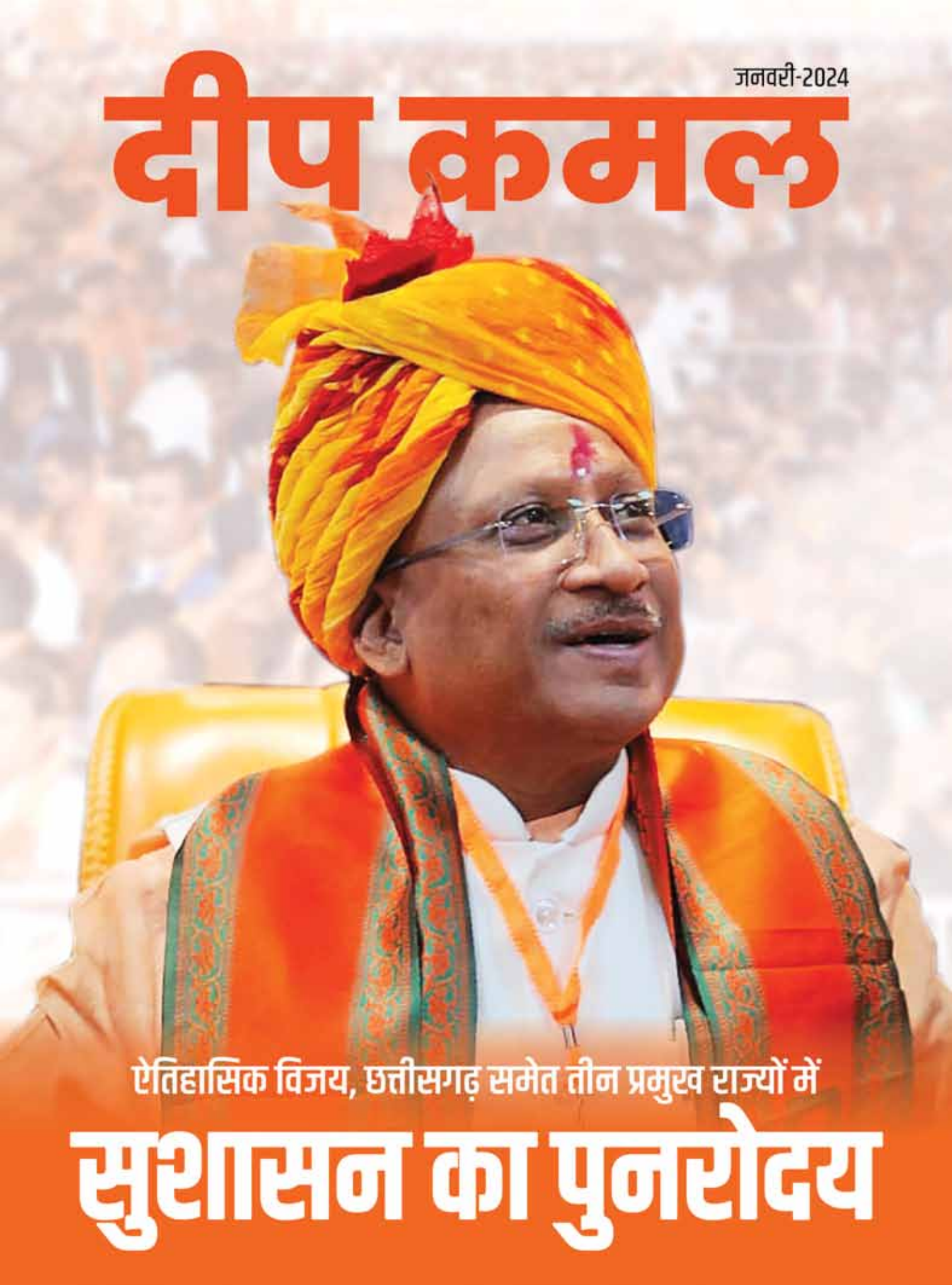

ऐतिहासिक विजय, छत्तीसगढ़ समेत तीन प्रमुख राज्यों में

सुशासन का पुनरोदय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की गरिमामय उपस्थिति में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री सर्वश्री जगदीश देवड़ा एवं राजेंद्र शुक्ला तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के साथ उप मुख्यमंत्री सुश्री दीया कुमारी और श्री प्रेमचंद बैरवा ने भी पद व गोपनीयता की शपथ ली।

दीप कमल

वर्ष-20, अंक-1, जनवरी 2024

संपादक
सुभाष राव

कार्यकारी संपादक
पंकज कुमार झा

मुद्रक एवं प्रकाशक
अरुण साव द्वारा,
भारतीय जनता पार्टी,
छत्तीसगढ़ के लिए,
मूणत ऑफसेट
प्रिंटर्स से मुद्रित एवं
कुशाभाऊ ठाकरे
परिसर, बोरियाकला,
रायपुर से प्रकाशित।

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

ई-मेल
jay7feb@gmail.com

फोन
0771-2233500,
2233511

सोशल मीडिया से

हमने बनाया है हम ही संवारेंगे....

भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ के इस विधानसभा चुनाव अभियान का नारा था – हम ने बनाया है, हम ही संवारेंगे। वास्तव में यह मूल रूप से चार पंक्ति का मंत्र था, जिसके माध्यम से आप छत्तीसगढ़ की सम्पूर्ण यात्रा का वर्णन कर सकते हैं। थीम यह था – हमने बनाया है, हमने संवारा है, हम ही बचायेंगे, हमारा छत्तीसगढ़। आशय यह था कि अटलजी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश बनाया, भाजपा की पिछली 15 वर्ष की सरकार ने इसे संवारा और भूपेश सरकार की कुनीतियों से हम हीं बचायेंगे अपना छत्तीसगढ़!

एक तो भाजपा की रीति-नीति, फिर विश्व के सबसे लोकप्रिय, यशस्वी और भरोसेमंद नेता श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटी, भाजपा के दैव दुर्लभ कार्यकर्ताओं का अथक परिश्रम, विचार परिवार का साथ.... इन सबने ऐसा वातावरण निर्मित किया, जिससे लोकतंत्र के जनार्दन 'जनता' ने टूट कर प्यार बरसाया भाजपा पर। पार्टी को उम्मीद से अधिक विशाल जनसमर्थन देकर वास्तव में छत्तीसगढ़ ने इतिहास रच दिया है।

न केवल प्रदेश के निर्माण से लेकर अब तक, बल्कि अविभाजित मध्य प्रदेश का हिस्सा होने के समय भी भाजपा को ऐसा जनसमर्थन इस अंचल में कभी नहीं मिला। भाजपा को सबसे अधिक 54 सीट, कांग्रेस के मुकाबले सबसे अधिक बढ़त, सबसे अधिक मत प्रतिशत, दूसरी पार्टी के मुकाबले सबसे अधिक मत प्रतिशत का अंतर समेत ऐसा अपार जनादेश मिला, जिसने भाजपा को कृतज्ञ बनाया है, लोकतंत्र के प्रति भारत की निष्ठा का सबसे बड़ा साक्ष्य प्रदान किया है, इसके साथ ही सबसे बड़ा दायित्व बोध भी दिया है। जनता के मापदंड पर खरा उतरने, तंत्र में लोक का विश्वास बहाल करने की बड़ी चुनौती भी भाजपा के समक्ष प्रस्तुत की है। निस्संदेह इस चुनौती को साफ नीयत और स्पष्ट सोच के साथ भाजपा स्वीकार कर अपना वादा निभाएगी, इसमें रंच मात्र संदेह की गुंजाइश नहीं है।

प्रदेश के अनुभवी और सहज-सरल नेता श्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्य से इस विश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया है। भाजपा मोदीजी की गारंटी को तो पूरा करेगी ही, उससे बढ़ कर करेगी जितना वादा किया है। जैसा कि भाजपा की घोषणा थी, हमारे मुख्यमंत्री अपने आधिकारिक

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री द्वय ने मुख्य सचिव को मोदी की गारंटी पत्र सौंप कर सभी घोषणाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

निवास में बाद में जायेंगे, पहले छत्तीसगढ़ के 18 लाख ऐसे परिवारों के सर पर छत की व्यवस्था करेंगे, जिसे कांग्रेस सरकार के दुराग्रह के कारण वंचित रखा गया था। शपथ लेने के साथ ही उसी दिन कैबिनेट की बैठक में निर्णय लेकर मुख्यमंत्री श्री साय ने इससे संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर भी कर दिया। ऐसा कर मुख्यमंत्री ने वास्तव में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के भरोसे के इतिहास पर ही हस्ताक्षर किया है। जैसा कि मोदी गारंटी नामक दस्तावेज में भाजपा का आह्वान है- हर सर पर पक्की छत, हर निवासी तक निःशुल्क शिक्षा, सभी को सहज चिकित्सा लाभ, पीने का साफ पानी, रोजी-रोजगार, हर किसान को उनकी उपज का अधिकाधिक दाम, हर खेत तक पानी समेत सभी मूलभूत आवश्यकताओं की सहज-सरल उपलब्धता सुनिश्चित करना। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री द्वय सर्वश्री अरुण साव और विजय शर्मा जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार विजय को विश्राम नहीं मानते हुए, जी-जान से जुट गयी है।

कांग्रेस की विगत सरकार ने दो वर्ष का बकाया बोनस देने की घोषणा कर अन्य तमाम घोषणाओं जैसे इस वादे के साथ भी छलावा किया था। उसे भी घोषणा के अनुरूप राज्य निर्माता अटलजी की जन्म जयंती के अवसर पर एक ही क्लिक से करीब 12 लाख किसानों के खाते में भेज दिया गया है। अन्य तमाम घोषणाओं को अमल में लाने के लिए शासकीय अमले को निर्देशित कर दिया गया है, जिसकी सतत् मोनिटरिंग जारी है। ये तमाम कार्य सत्ता सम्हालने के मात्र 22 दिनों के भीतर संपन्न कर दिया गया है। इसे आप सुशासन के एक ऐसे मॉडल के रूप में देख सकते हैं कि चाहे लाख बाधाएं हों, कांग्रेस द्वारा थोपे गए अथाह कर्ज का भार हो, लेकिन जनता पर इसका दुष्प्रभाव नहीं पड़ने देना है। चाहे जैसी भी प्रतिकूल परिस्थियां हो, जिस विश्वास के साथ जनता ने बागडोर सौंपा है, उस भरोसे की बहाली करना ही करना है। भले पिछली सरकार ने 'भरोसे की सरकार' होने की डींगें हाँकी हो, लेकिन परिणाम ने यह दिखाया है कि भरोसा बरकरार तो छत्तीसगढ़िया जनता का भाजपा के प्रति है और वह इसी महान पार्टी को सबले बढ़िया समझती भी है।

कांग्रेस अपनी इस बुरी हार से कोई सबक सीखेगी, इसकी तो आशा ही करना बेमानी है। वह एक बार ऐतिहासिक जनादेश पा कर यह समझने लगी थी कि जनता को बरगलाना, उसे गुमराह करना सबसे अधिक आसान है। वह जनता को निहायत ही नासमझ समझ बैठी थी। सत्ता के अहंकार में कांग्रेस यह तक भूल चुकी थी कि आप हमेशा के लिए कुछ लोगों को ठग सकते हैं, आप सभी लोगों को कुछ समय के लिए भी ठग सकते हैं, लेकिन सभी को हमेशा के लिए ठगना असंभव है, जैसा प्रमादवश कांग्रेस समझने लगी थी।

वास्तव में कांग्रेस काठ की हांडी चढ़ा कर यह भूल गयी थी कि उसे दुबारा चढ़ाना मुमकिन नहीं होता है। जनता ने बहुत ही कड़ाई के साथ उसे यह सन्देश देने का पुनीत काम किया है, जिसके लिए छत्तीसगढ़ की जितनी भी प्रशंसा की जाय वह कम है।

बहरहाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में एक शानदार उपलब्धियों से भरा कार्यकाल गुजारने के बाद निवर्तमान अध्यक्ष श्री अरुण साव अब सरकार का हिस्सा हैं। उन्हें अब उप मुख्यमंत्री के रूप में छत्तीसगढ़ को संवारने का अवसर मिला है। इधर विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करने वाले योग्य, अनुभवी और निष्ठावान नेता श्री किरण देव को पार्टी की बागडोर सौंपी गयी है। विधायक श्री देव अब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में देश-प्रदेश की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने, संगठन को ऊंचाई देने का काम करेंगे। इस विश्वास के अनेक कारण हैं। सत्ता और संगठन के अद्वितीय तालमेल से छत्तीसगढ़ भाजपा अब देश में सुशासन और लोककल्याण का एक नया मॉडल देने में सफल होगी। इस ऐतिहासिक जनादेश की बदौलत पार्टी वास्तव में छत्तीसगढ़ को संवारने में कोई भी कसर उठा कर नहीं रखेगी।

अगले पांच वर्ष में छत्तीसगढ़ पुनः वह बनेगा जैसा कि भारत रत्न अटल जी का सपना था, प्रदेश वह बनेगा जैसा बनने का आह्वान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने किया है।

अशेष मंगल कामना। आंग्ल नव वर्ष की बधाई और शुभेच्छा।•••

jay7feb@gmail.com

प्रभात झा

अंधेरा छंटा है, सर्वत्र कमल खिला है...

। फाइल फोटो ।

25 दिसंबर 2023 को अटल जी की 99वीं जन्म जयंती कृतज्ञ राष्ट्र ने मनाया। 25 दिसंबर 2024 को उनकी जन्म जयंती का शताब्दी वर्ष होगा। यह सौभाग्य की बात है कि आज अटलजी की विचारधारा को भारत की जमीन पर जी-जान से उतारने का काम नरेंद्र भाई मोदी कर रहे हैं।

जनता सरकार में अटलजी पहले भारतीय विदेश मंत्री थे जिन्होंने भारत की राष्ट्रभाषा में भाषण देकर पूरे विश्व को जहां चौंका दिया था, वहीं अपनी राष्ट्रभाषा को सम्मान प्रदान किया था। वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी अब तक विश्व में 66 राष्ट्रों में गए और भारत की, भारत माता की और वहां बसे भारतीयों के बीच अपनी संस्कृति और राष्ट्रवाद का पुनर्जागरण जिस तरह से किया उसे अटलजी को दी जाने वाली सच्ची श्रद्धांजलि कहेंगे तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

केंद्र में अटलजी की पहली सरकार 13 दिन की थी, दूसरी बार 13 महीने की थी, तब प्रधानमंत्री के नाते अटलजी ने सदन में जवाब दिया था कि 'राष्ट्रपति जी ने सबसे बड़े दल होने के नाते हमें सरकार बनाने के लिए बुलाया गया, तो हमने न्यूतम साझा कार्यक्रम बनाया था जिससे देश पर पुनः चुनाव का बोझ न पड़े और हम अच्छी सरकार दे सकें।' लेकिन विपक्ष की ओर अटलजी ने कहा की एक बात समझ लीजिये, जिस दिन हम बहुमत में आएंगे, उस दिन न धारा 370, न राममंदिर, न तीन तलाक और न सामान नागरिक संहिता जैसे अपने मूल मुद्दे को छोड़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने 2014 में बहुमत हासिल कर सरकार बनाने के बाद अपने राजनैतिक पुरखों की लिखी और कही बातों को 140 करोड़ जनता के चरणों में समर्पित किया।

अटलजी ने मुंबई में संपन्न हुए भाजपा के प्रथम सम्मेलन में कहा था "अंधेरा हटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा"। आज उनके इस वाक्य को प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी शब्दशः साकार करने में अनवरत देश के एक सेवक एवं कार्यकर्ता के रूप में सक्षमता से साकार कर रहे हैं। अटलजी को उनके राजनैतिक जीवन की यात्रा में किये गए अनथक प्रयत्न, उनकी उदारता, उनकी आत्मीयता और उनके द्वारा अनेक बार की कई भारत यात्रा में अपनी वाणी से जनसंघ की दीये की प्रकाश में और कमल पुष्प के सुगंध से पूरे भारतवर्ष में पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक भाजपा को आकर्षित करने का अद्भुत प्रयास किया।

अटलजी ग्वालियर स्थित शिंदे की छावनी के कमल सिंह बाग स्थित अपने पैतृक निवास के एक छोटे से पाटोर में पैदा हुए। उनके पिता पंडित कृष्ण बिहारी वाजपेयी आजादी से पूर्व उत्तर प्रदेश के बटेश्वर से ग्वालियर आकर सिंधिया स्टेट स्कूल में शिक्षक की नौकरी कर अपने परिवार का

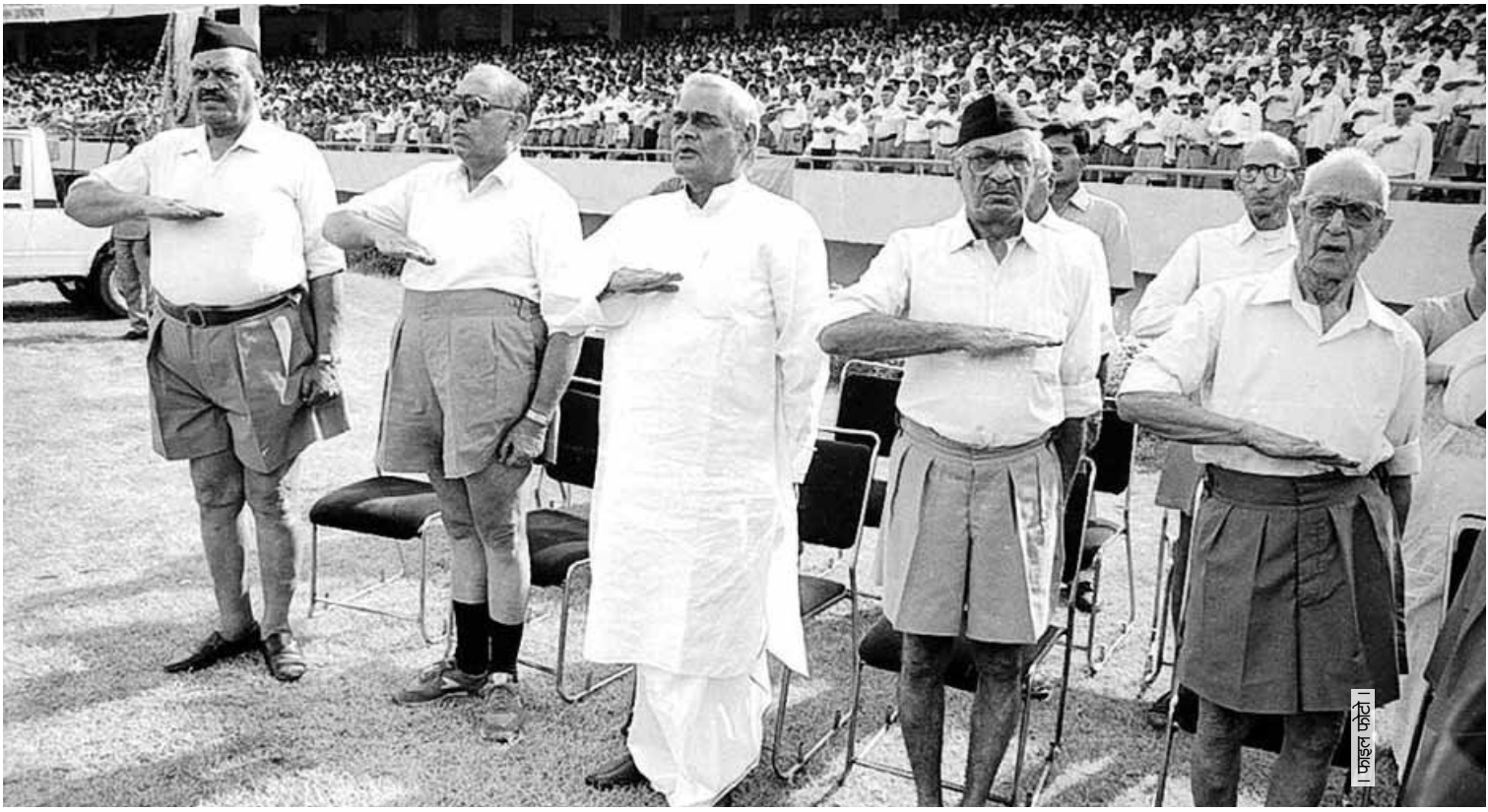
फाइल फोटो

भरण-पोषण करते थे। अटलजी चार भाई थे। पहले भाई का नाम अवध बिहारी वाजपेयी, दूसरे का नाम प्रेम बिहारी वाजपेयी, तीसरे भाई सदा बिहारी वाजपेयी और सबसे छोटे थे अटल बिहारी वाजपेयी। अटलजी का संपर्क बाल्यकाल में ग्वालियर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन प्रचारक स्व. नारायण राव तरडे से हुआ। वहीं से वे संघ के स्वयंसेवक बने।

अंग्रेजों के जमाने में ग्वालियर में विक्टोरिया कॉलेज जिसका नाम आज महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय है, में वे पढ़ते थे। अटल जी को जिन शिक्षकों ने पढ़ाया था उनमें एक बहुत बड़े साहित्यकार शिवमंगल सिंह सुमन जी थे। वहां से अध्ययन करने के बाद अटलजी कानपुर पहुंचे। वहां उन्होंने लॉ में एडमिशन लिया। यह संयोग ही है कि उनके पिताजी ने साथ-साथ लॉ का अध्ययन किया। उसी दौरान स्वर्गीय भाऊराव देवरस, जो उत्तर प्रदेश में संघ के बहुत बड़े अधिकारी थे, उन्हें अध्ययन के पश्चात उत्तर प्रदेश के शांडिला क्षेत्र में संघ के विस्तारक-प्राचार्य के रूप में भेजा था। भाजपा से जुड़े देश के पहले प्रधानमंत्री अटलजी भी अपने जीवन में विस्तारक रहे और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी अपने छात्र जीवन में संघ के सम्पर्क में आये और वर्षों तक प्रचारक रहे।

अटलजी ने कश्मीर के बारे में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा कही गई कि " कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग है" को उस दिन साकार कर दिया जब संसद में आजादी की 50वीं वर्षगांठ पर तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष पी.ए. संगमा की उपस्थिति में सर्वसम्मति से पारित करा लिया गया कि "कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग है"। कश्मीर के बारे में अटलजी के मन में कितनी स्पष्टता थी, यह उनके इस काव्य से ही स्पष्ट हो जाता है-

"धमकी, जिहाद के नारों से, हथियारों से
कश्मीर कभी हथिया लोगे, यह मत समझो
हमलों से, अत्याचारों से, संहारों से
भारत का शीष झुका लोगे, यह मत समझो
संसार भले ही हो विरुद्ध
कश्मीर पर भारत का सर नहीं झुकेगा
एक नहीं दो नहीं करो बीसों समझौते
पर स्वतन्त्र भारत का निश्चय नहीं रुकेगा।"

अटलजी आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, छाया से वे हम सबके बीच सदैव रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने उन्हें भारत रत्न देकर और 25 दिसंबर उनके जन्म दिवस को सुशासन दिवस घोषित कर एक आदर्श जीवनशैली के राजनेता और प्रधानमंत्री के रूप में उनकी सेवा का जहां सम्मान किया, वहीं राजघाट पर उनकी समाधि 'सदैव अटल' बनाकर हर भारतवासी की ओर से जो श्रद्धांजलि अर्पित की, वह इतिहास में अमर हो गया। आज जो भी कार्यकर्ता दिल्ली आता है 'सदैव अटल' पर जरूर श्रद्धांजलि अर्पित करता है और अपनी विचारधारा के पुरोधा को प्रणाम करते हुए अभिभूत हो जाता है। ।•••

लेखक भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत किया

नरेन्द्र मोदी

सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद-370 और (ए) को निरस्त करने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। जम्मू और कश्मीर में मोहभंग, निराशा और हताशा की जगह की जगह अब विकास, लोकतंत्र और गरिमा ने ले ली है।

सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने का ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने भारत की संप्रभुता और अखंडता बरकरार रखी है। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना पूरी तरह से उचित है कि पांच अगस्त, 2019 को हुआ निर्णय सांविधानिक एकीकरण को बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया था, न कि इसका उद्देश्य विघटन था। शीर्ष अदालत ने इस तथ्य को भी भलीभांति माना है कि अनुच्छेद 370 का स्वरूप स्थायी नहीं था।

मुझे अपने जीवन के शुरुआती दौर से ही जम्मू-कश्मीर आंदोलन से जुड़े रहने का अवसर मिला है। जम्मू-कश्मीर महज एक राजनीतिक मुद्दा नहीं था, बल्कि यह विषय समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने के बारे में था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नेहरू मंत्रिमंडल में एक महत्वपूर्ण विभाग मिला हुआ था और वह काफी लंबे समय तक सरकार में बने रह सकते थे। फिर भी, उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर मंत्रिमंडल छोड़ दिया और आगे का कठिन रास्ता चुना, भले ही इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। लेकिन उनके अथक प्रयासों और बलिदान से करोड़ों भारतीय कश्मीर मुद्दे से भावनात्मक रूप से जुड़ गए।

कई वर्षों बाद अटल जी ने श्रीनगर में एक सार्वजनिक बैठक में 'इंसानियत', 'जम्हूरियत' और 'कश्मीरियत' का प्रभावशाली संदेश दिया, जो सदैव ही प्रेरणा का महान स्रोत भी रहा है। मेरा हमेशा से दृढ़ विश्वास रहा है कि जम्मू-कश्मीर में जो कुछ हुआ था, वह हमारे राष्ट्र और वहां के लोगों के साथ एक बड़ा विश्वासघात था। मेरी यह भी प्रबल इच्छा थी कि मैं इस कलंक को, लोगों पर हुए इस अन्याय को मिटाने के लिए जो कुछ भी कर सकता हूं, उसे जरूर करूं।

अनुच्छेद 370 और 35 (ए) जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के सामने बड़ी बाधाओं की तरह थे। इनके कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों को वह अधिकार और विकास कभी नहीं मिल पाया, जो उनके साथी देशवासियों को मिला। इन अनुच्छेदों के कारण, एक ही राष्ट्र के लोगों के बीच दूरियां पैदा हो गईं। मैं एक बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट था- जम्मू-कश्मीर के लोग विकास चाहते हैं तथा वे अपनी ताकत और कौशल के आधार पर भारत के विकास में योगदान देना चाहते हैं। वे अपने बच्चों के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता चाहते हैं, एक ऐसा जीवन जो हिंसा और अनिश्चितता से मुक्त हो। जम्मू-कश्मीर के लोगों की सेवा करते समय, हमने तीन बातों को प्रमुखता दी नागरिकों की चिंताओं को समझना, सरकार के कार्यों के माध्यम से आपसी विश्वास का निर्माण करना तथा विकास, निरंतर विकास को प्राथमिकता देना।

मुझे याद है, वर्ष 2014 में हमारे सत्ता संभालने के तुरंत बाद, जम्मू- कश्मीर में विनाशकारी बाढ़ आई थी, जिससे कश्मीर घाटी में बहुत नुकसान हुआ था। सितंबर, 2014 में, मैं स्थिति का आकलन करने के लिए श्रीनगर गया और पुनर्वास के लिए विशेष सहायता के रूप में 1,000 करोड़ रुपये की

घोषणा भी की। इससे लोगों में यह संदेश भी गया कि संकट के दौरान हमारी सरकार वहां के लोगों की मदद के लिए कितनी संवेदनशील है।

मुझे जम्मू-कश्मीर में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मिलने का अवसर मिला है और इन संवादों में एक बात समान समान रूप से उभरती है- लोग न केवल विकास चाहते हैं, बल्कि वे दशकों से व्याप्त भ्रष्टाचार से भी मुक्ति चाहते हैं। उस । उस साल मैंने जम्मू-कश्मीर में जान गंवाने वाले लोगों की याद में दीपावली नहीं मनाने का फैसला किया। मैंने दीपावली के दिन जम्मू-कश्मीर में मौजूद रहने का भी फैसला किया।

जम्मू एवं कश्मीर की विकास यात्रा को और मजबूती प्रदान करने के लिए हमने यह तय किया कि हमारी सरकार के मंत्री बार-बार वहां जाएंगे और वहां के लोगों से सीधे संवाद करेंगे। इन लगातार दौरों ने भी जम्मू एवं कश्मीर में सद्भावना कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 2015 का विशेष पैकेज जम्मू एवं कश्मीर की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसमें बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन, पर्यटन को बढ़ावा देने और हस्तशिल्प उद्योग को सहायता प्रदान करने से जुड़ी पहल शामिल थीं।

हमने खेल शक्ति में युवाओं के सपनों को साकार करने की क्षमता को पहचानते हुए जम्मू- कश्मीर में इसका भरपूर सदुपयोग किया। विभिन्न खेलों के माध्यम से, हमने वहां के युवाओं की आकांक्षाओं और उनके भविष्य पर खेलों से जुड़ी गतिविधियों के परिवर्तनकारी प्रभाव को देखा। स्थानीय स्तर पर फुटबॉल क्लबों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाना इन सबमें एक सबसे अनूठी बात रही। इसके परिणाम शानदार निकले। मुझे प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी अफशां आशिक का नाम याद आ रहा है। वह दिसंबर, 2014 में श्रीनगर में पथराव करने वाले एक समूह का हिस्सा थी, लेकिन सही प्रोत्साहन मिलने पर उसने फुटबॉल की ओर रुख किया, उसे प्रशिक्षण के लिए भेजा गया और उसने खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पंचायत चुनाव भी इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। पंचायत

जम्मू एवं कश्मीर की विकास यात्रा को और मजबूती प्रदान करने के लिए हमने यह तय किया कि हमारी सरकार के मंत्री बार-बार वहां जाएंगे और वहां के लोगों से सीधे संवाद करेंगे। इन लगातार दौरों ने भी जम्मू एवं कश्मीर में सद्भावना कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चुनावों की सफलता ने जम्मू एवं कश्मीर के लोगों की लोकतांत्रिक प्रकृति को इंगित किया।

पांच अगस्त का ऐतिहासिक दिन हर भारतीय के दिल और दिमाग में बसा हुआ है। हमारी संसद ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का ऐतिहासिक निर्णय पारित किया और तब से जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में बहुत कुछ बदलाव आया है। सभी केंद्रीय कानून अब बिना किसी डर या पक्षपात के लागू होते हैं, प्रतिनिधित्व भी पहले से अधिक व्यापक हो गया है। त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली लागू हो गई है, बीडीसी चुनाव हुए हैं, और शरणार्थी समुदाय, जिन्हें लगभग भुला दिया गया था, उन्हें भी विकास का लाभ मिलना शुरू हो गया है। केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं ने शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है। आवास, नल से जल कनेक्शन और वित्तीय समावेशन में प्रगति हुई है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में भी बुनियादी ढांचे का विकास किया गया है। सरकारी रिक्तियां, जो कभी भ्रष्टाचार और पक्षपात का शिकार होती थीं, पारदर्शी और सही प्रक्रिया के तहत भरी गई हैं। बुनियादी ढांचे और पर्यटन में बढ़ावा सभी देख सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में मोहभंग, निराशा और हताशा की जगह अब विकास, लोकतंत्र और गरिमा ने ले ली है। ।•••

बदलते छत्तीसगढ़ के हम सब साक्षी होंगे

विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ शासन के महामहिम राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने नई विधानसभा के अपने अभिभाषण में जो भी दिशा-निर्देश दिए हैं उसके लिए मैं उनका आभारी हूँ। राज्यपाल महोदय को इस बात के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूँ कि उन्होंने हमें सेवा, सुशासन, सुरक्षा, विकास के साथ सभी के जीवन स्तर के उन्नयन के लिए हर संभव कदम उठाने के प्रति विश्वास दिलाया है।

प्रदेश के छठे विधानसभा का पहला सत्र कई मायनों में महत्पूर्ण रहा है। ऐसा पहली बार है जब इस सदन में 50 नए सदस्य चुन कर आये हैं। सर्वाधिक युवा सदस्य चुन कर आना, 19 महिला सदस्य का निर्वाचित होना इस सदन की गरिमा को और अधिक बढ़ा रहा है।

छत्तीसगढ़ की जनता ने इस सरकार को बड़ी ही आशा और उम्मीदों से चुना है। लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन है। वही सर्वोच्च है। वही मालिक है। जनता की सत्ता को बहाल करना ही मेरी सरकार की प्राथमिकता है। लोकतंत्र, भरोसे से चलता है। पिछले 5 वर्षों में छत्तीसगढ़ में भरोसे का बड़ा संकट खड़ा हुआ था। ऐसा माहौल बना दिया गया था, मानो आप सत्ता में आने के लिए कुछ भी वादे कर लेंगे, और सत्ता में आने पर उन सभी वादों से किनारे कर लेंगे। हमारी सरकार का सबसे बड़ा प्रयास इस विश्वास की फिर से बहाली और भरोसे के संकट को खत्म करना होगा। हमने जनता से जो भी वादे किये हैं, उसे 'सही नीयत और स्पष्ट सोच' के साथ पूरा करना हमारा दायित्व है, यही धर्म है अपना।

एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का कहना था कि – 'समाज के गरीब वर्ग ही हमारे नारायण हैं, उन्हें पक्के घर उपलब्ध कराना, हमारा लक्ष्य होना चाहिए।' इसी विचार को अमल में ला कर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने 'प्रधानमंत्री आवास योजना' प्रारंभ की थी। छत्तीसगढ़ में यह योजना पिछले पांच वर्षों में राजनीति की भेंट चढ़ गयी थी। जैसा कि राज्यपाल महोदय ने उल्लेखित किया है - हमने अपने वादे के अनुरूप पहली ही कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों को घर स्वीकृत करने और आवश्यक धनराशि प्रदान करने का निर्णय लिया। प्रदेश के 18 लाख ग्रामीण परिवारों को पक्का आवास बनाने के लिए प्रथम किश्त की राशि जारी करने हेतु 3 हजार 799 करोड़ का प्रावधान इस अनुपूरक बजट में कर दिया गया गया है।

इस अवसर पर यह बताते हुए अफसोस हो रहा है कि अगर कांग्रेस की पिछली सरकार ने आवास से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय को राजनीति का अखाड़ा नहीं बनाया होता, अगर वह इसे केवल इसलिए नहीं रोकती कि योजना में प्रधानमंत्री शब्द जुड़ा हुआ है, तो आज इन 18 लाख गरीबों के सर पर अपना छत होता। जो लोग चंद आवास ही गरीबों को देकर दशकों तक "इंदिरा आवास" के नाम से गांधी-नेहरू परिवार का महिमा मंडन करते रहे, उन्हें अब "प्रधानमंत्री आवास" शब्द से ही चिढ़ हो रही है, ऐसा इसलिए क्योंकि आज एक सामान्य परिवार में जन्म लेने वाला व्यक्ति भारत का प्रधानमंत्री है। प्रदेश की गरीब जनता ने इस विषय में जैसा धोखा खाया है, वह तकलीफदेह है। अपना घर किसी भी परिवार का सपना होता है, कम से कम उस सपने के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिये था। दुखद स्थिति तो यह रही कि आवास की प्रतीक्षा सूची में रहे परिवार की कच्चे घर गिरने से मौत तक हो गयी, लेकिन कांग्रेस सरकार का दिल नहीं पसीजा। जिन लोगों का पहला किस्त मिल गया था, उन लोगों का भी दूसरा और अंतिम किस्त रोकने का पाप किया गया। पहले किस्त मिलने के भरोसे के कारण लोगों ने अपने घर तोड़ दिये। उन लोगों का दूसरा और आखिरी किस्त नहीं दिया गया। टूटे घर और कर्जे से लद कर कांग्रेस सरकार के कारण वे प्रताड़ित होते रहे । अनेक लोगों को आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसी थी इनकी इनकी "भरोसे की सरकार"। अब हमने अपनी घोषणा के अनुरूप ही पहली ही कैबिनेट बैठक में आवास योजना हेतु राशि का प्रावधान कर दिया है। हमारे इस निर्णय से न केवल गरीब परिवारों को पक्के आवास का लाभ मिलेगा, अपितु निर्माण संबंधी गतिविधि एवं इनसे जुड़े हुए सहायक उद्योगों में तेजी आने से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भी गति आएगी।

प्रदेश के हर परिवार को तमाम सुविधाओं के साथ पक्का मकान देना, उन्हें शौचालय की व्यवस्था, साफ पानी, भर पेट भोजन, मुफ्त शिक्षा, और रोजगार देने के लिए मेरी सरकार दिन-रात काम करेगी। हम एक सशक्त और समृद्ध छत्तीसगढ़ बनाने

के प्रति कटिबद्ध हैं। नयी सरकार को चुनने में मातृ शक्ति का, किसानों का, आदिवासियों और युवाओं का बड़ा योगदान है। सर्व समाज और वर्ग के हित में काम करना हमारी परंपरा है। लोकतंत्र, लोकलाज से चलता है, हमें अपनी जिम्मेदारियों का अहसास है, और इस धन्यवाद प्रस्ताव के माध्यम से हम सदन को, और प्रदेश की जनता को यह आश्वस्त करना चाहते हैं कि हम जनता की कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरेंगे।

राजनीतिक लाभों के लिए प्रदेश को जाति और वर्ग के आधार पर पिछले दिनों विभाजित करने की कोशिशें हुई, लेकिन इस जनादेश ने साबित किया है कि लोकतंत्र की जड़ें हमारे यहां गहरी हैं और कोई भी ताकत हमें बांट नहीं सकती। हम यह मानते हैं कि समाज में चार ही वर्ग हैं, और वह है महिला, युवा, किसान और गरीब। इस वर्ग के लिए हमें लगातार काम करना होगा।

किसानों का प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने की बात हो, या प्रदेश निर्माता अटलजी की जन्मजयन्ती 'सुशासन दिवस' पर अन्नदाताओं को दो वर्ष का बकाया 37 सौ करोड़ से अधिक बोनस देने का, हम याद दिलाना चाहते हैं कि बकायदा अपने जन घोषणा पत्र के पहली लाईन में डालने के बावजूद कांग्रेस सरकार ने किसानों को बोनस नहीं दिया। इसी 25 दिसंबर को "सुशासन दिवस" के दिन यह रकम हम किसानों के खाते में डाल चुके हैं। हमारी सरकार इस योजना समेत सभी बड़ी योजनाओं को समय सीमा के भीतर अमल में लाने के लिए कदम उठा रही है। अन्य तमाम योजनाओं पर भी दिन-रात हमारी सरकार काम कर रही है।

यहां हम विनम्रता से यह याद दिलाना चाहते हैं कि विगत पांच वर्षों में भले कृषि से संबंधित अनेक समस्याएं रही, लेकिन उससे पहले की हमारी पिछली सरकार ने ही धान खरीदी में तकनीक का प्रयोग करते हुए एक ऐसी समुन्नत व्यवस्था की थी, जिसके कारण अन्नदाताओं की फसल का मूल्य 24 घंटे के भीतर बिना किसी व्यवधान के खाते में पहुंचना संभव हुआ था। मात्र 15 वर्ष के भीतर हमने धान खरीदी में 14 गुना वृद्धि की थी। धान के सन्दर्भ में 'बोनस' शब्द की अवधारणा भी हमारी ही पहले की भाजपा सरकार की देन रही है। हम पुनः अपनी ऐसे ही कृषि हितैषी नीतियों को आगे बढ़ाने में 'अन्नदाता सुखी भवः' के ध्येय वाक्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।

महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपनी सरकार के लिए जो भी निर्देश दिए हैं, वह हमारे लिए मार्गदर्शक हैं। उनकी मंशा के अनुरूप हम 'सामाजिक आर्थिक विकास, आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों समेत महिलाओं, युवा, किसानों, वन आश्रितों, ग्रामीणों और परंपरागत व्यवसाय से जुड़े समूहों के प्रति विशेष संवेदनशील होकर महामहिम की अपेक्षा के अनुरूप अपनी प्राथमिकता का निर्धारण करेंगे। हम यह आश्वस्त करना चाहते हैं कि चुनाव के दौरान किये गए वायदों को पूरा करने की दिशा में समुचित कदम उठाएंगे।

धान के दो वर्षों का लंबित बोनस भुगतान, कृषक उन्नति योजना, दीनदयाल उपाध्याय कृषि मजदूर कल्याण योजना, महतारी वंदन योजना, घर-घर निर्मल जल अभियान, रानी दुर्गावती योजना, तेंदुपत्ता संग्रहण दर 5 हजार 5 सौ रूपये प्रति मानक बोरा करने, 4 हजार 500 रूपया तक बोनस, चरण पादुका एवं अन्य सुविधाएं पुनः प्रारम्भ करने जैसे घोषणा पत्र के मुद्दों पर परीक्षण व निर्णय की समयबद्ध प्रक्रिया अपनाने के प्रति हम प्रतिबद्ध हैं।

छत्तीसगढ़ की पिछली भाजपा सरकार को देश भर में सुप्रबंधित आर्थिक प्रबंधन के लिए जाना जाता था। किंतु पिछले पांच वर्षों में अव्यवस्था के कारण संकट उत्पन्न हुआ है। इसे लेकर जनता में थोड़ी आशंका भी स्वाभाविक है। प्रदेश पर आज लगभग 90 हजार करोड़ का ऋण भार हमारे लिए चिंता का विषय है। बावजूद इसके आर्थिक शुचिता और सुप्रबंधन की पुनर्बहाली कर हम अपने प्राकृतिक संसाधन, युवा प्रतिभाओं का सम्यक नियोजन कर हम निसंदेह अपना लक्ष्य संधान कर लेंगे।

मेरे जैसे एक सामान्य कार्यकर्ता को जिसने पंच के दायित्व से अपनी राजनीतिक यात्रा प्रारम्भ की थी, उसके बाद विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए आज हमें मुख्यमंत्री के रूप में छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा का अवसर मिला है। यह इस लोकतंत्र की विशेषता है। अमर बलिदानी शहीद वीर नारायण सिंह जी की पुण्य तिथि के अवसर पर हमारे विधायक दल ने मुझे नेता चुना, इसके लिए मैं कृतज्ञता का अनुभव करता हूँ।

छत्तीसगढ़ की महान जनता ने बड़ी ही आशा से, उम्मीदों से हमें सेवा का अवसर दिया है। हमारी सरकार इस आशा और उम्मीद पर शत-प्रतिशत खरा उतरने के प्रति प्रतिबद्ध है। हम प्रदेश की महान परंपराओं का पालन करते हुए सबको साथ लेकर सबका विकास करने स्वयं को समर्पित करते हैं। ।•••

वीर बाल दिवसः अमर बलिदानियों का पुण्य स्मरण

किरण देव

भारत ने पिछले सप्ताह दूसरा 'वीर बाल दिवस' मनाया है। 9 जनवरी, 2022 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के दिन यह घोषणा की थी कि 26 दिसंबर से श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों- साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत की स्मृति को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

हम सब जानते हैं कि सनातन की रक्षा के निमित्त सिख पंथ ने हमेशा बलिदान दिया और आज अगर सनातन और हिंदुत्व अपनी तमाम पवित्रता के साथ कायम है, तो इसमें हमारे इन सभी गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय है। हमारे इन पूज्य गुरुओं ने जिस तरह का बलिदान देकर, मुगल आक्रांताओं के बर्बर और नृशंस हमलों को झेलते हुए भी सनातन की रक्षा की, वह प्रातः स्मरणीय है।

सन् 1704 में सम्राट औरंगजेब के आदेश पर मुगल सैनिकों द्वारा आनंदपुर साहिब को घेर लिया गया था। तब साहिबजादे जोरावर सिंह जी मात्र 9 वर्ष के और फतेह सिंह जी मात्र 7 वर्ष के थे। उन्हें इस्लाम अपना लेने के लिए कहा गया, लेकिन उन वीर बालकों ने मरना स्वीकार किया किंतु धर्म बदलना नहीं स्वीकारा।

उसके बाद जिस बर्बर तरीके से उन शिशुओं की हत्या की गयी, वह हमेशा आक्रांताओं के एक कलंकित और काले अध्याय के रूप में स्मरण किया जाएगा। जोरावर सिंह साहब और फतेह सिंह साहब, दोनों को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया। आज अगर हिंदुत्व और सनातन अपने इस रूप में है, तो निस्संदेह उसमें इन साहेबजादों का योगदान अमूल्य है। अगर इन महापुरुषों, गुरुओं ने, गुरूपुत्रों ने ऐसा उदाहारण प्रस्तुत

नहीं किया होता, तो शायद सामान्य हिंदू कभी इतना साहस नहीं कर पाते कि उन्होंने सब कुछ खो दिया लेकिन धर्म नहीं छोड़ा अपना।

दुःख की बात है कि आज़ादी के सत्तर वर्षों के बावजूद भी ऐसे हमारे प्रेरणा स्तंभों को सम्मानित करने के बारे में नहीं सोचा गया। राजनीतिक एजेंडे पर काम करते हुए अजीब-अजीब से दिवस हम पर थोप दिए गए, लेकिन देश-समाज और धर्म के निमित्त बलिदान देने वाले ऐसे महान गुरुओं को स्वतंत्र भारत में वह स्थान नहीं दिया गया था, जिसके वे योग्य थे। महान भारत का इतिहास हमारे इन गुरुओं के स्मरण के बिना अधूरा है। कल्पना कीजिए कि हमारे ऐसे बलिदानी गुरु जिनके दूध के दांत भी नहीं टूटे रहे होंगे, उनके पराक्रम को स्मरण किए बिना किसी 'बाल दिवस' की कल्पना की जा सकती है क्या?

भारत का यह महान समय है जब एक तरफ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के बाल स्वरूप 'राम लला' की भव्य पुनर्स्थापना इसी 22 जनवरी को होने जा रही है। श्री अयोध्या जी में सैकड़ों वर्षों का हमारा संघर्ष अपनी परिणति तक पहुँचा, इस तरह बाबर द्वारा किए गए अन्याय का परिमार्जन संभाव हुआ, तो इधर औरंगजेब के समय हुए इस नृशंसता को स्मरण कर हम हर वर्ष दोनों साहेबजादों को, और सनातन के रक्षक सिख पंथ के पूज्य गुरुओं को वह स्थान दे रहे हैं, जिसके वे अधिकारी हैं।

इस 'वीर बाल दिवस' की स्थापना के दिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था – 'वीर बाल दिवस' हमें याद दिलाते रहेगा कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय कम आयु मायने नहीं रखती। 'वीर बाल दिवस' हमें याद दिलाएगा कि दस गुरुओं का योगदान क्या है, देश के स्वाभिमान के लिए सिख परंपरा का बलिदान क्या है! 'वीर बाल दिवस' हमें बताएगा कि-भारत क्या है, भारत की पहचान क्या है! हर साल वीर बाल दिवस का ये पुण्य अवसर हमें अपने अतीत को पहचानने और आने वाले भविष्य का निर्माण करने की प्रेरणा देगा। भारत की युवा पीढ़ी का सामर्थ्य क्या है, भारत की युवा पीढ़ी ने कैसे अतीत में देश की रक्षा की है, मानवता के कितने घोर-प्रघोर अंधकारों से हमारी युवा पीढ़ी ने भारत को बाहर निकाला है, वीर बाल दिवस' आने वाले दशकों और सदियों के लिए ये उद्घोष करेगा।'

'वीर बाल दिवस' की स्थापना के दिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था – 'वीर बाल दिवस' हमें याद दिलाते रहेगा कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय कम आयु मायने नहीं रखती। 'वीर बाल दिवस' हमें याद दिलाएगा कि दस गुरुओं का योगदान क्या है, देश के स्वाभिमान के लिए सिख परंपरा का बलिदान क्या है!

इस अवसर पर वीर साहिबजादों के चरणों में सादर प्रणाम और उन्हें कृतज्ञ श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। पिता दशमेश गुरु गोविंद सिंह जी, और सभी गुरुओं के चरणों में भी भक्तिभाव से सादर प्रणाम। मातृशक्ति की प्रतीक माता गुजरी के चरणों में भी शत-शत नमन। इन वीर बालकों के पिता दसमेश गुरुजी की भी वीरता की गाथा ऐसी ही अप्रतिम है। उन्होंने भी अपने पिता नवमें गुरु तेग बहादुर जी को यही कहा था कि अगर सनातन की रक्षा हेतु किसी महान व्यक्तित्व के बलिदान की ही आवश्यकता है, तो उनसे अर्थात् तेगबहादुर जी से बड़ा व्यक्ति और कोई नहीं हो सकता जिनके बलिदान के बाद सामान्य श्रद्धालुओं में त्याग और बलिदान की प्रेरणा जगेगी। ऐसा महान इतिहास है इस पूज्य धर्म का।

हम कभी भी अपने इन महान गुरुओं के ऋण से मुक्त नहीं हो पायेंगे। मोदीजी की सरकार विशेष कर अपने सिख भाइयों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन करती है। जब अफगानिस्तान से हमारे सिख बंधुओं को वापस आना पड़ा, तो उनके लिए भारत बाहें पसारे खड़ा था। मोदीजी ने विशेष प्रयास से पाकिस्तान स्थित करतारपुर साहिब में बिना वीजा यात्रा की व्यवस्था की, अटलजी के समय ही यह गलियारा शुरू करने का प्रस्ताव था, जिसे मोदीजी ने अंततः अंजाम दिया।

आज भी विश्व में चारों तरफ जिस तरह की क्रूरता और सम्प्रदायों के नाम पर मार काट मची है, भारत में भी सनातन के समक्ष आज भी जितनी चुनौतियां हैं, ऐसे में दोनों वीर साहिबजादों के बलिदान की गाथा हमारे लिए प्रेरणा का कार्य करेगा। इस अवसर पर हम ऐसे सभी सिख गुरुओं और वीरों को सादर नमन करना चाहते हैं जिन्होंने जिंदा दीवारों में चुन जाना स्वीकार किया, जीवित ही तेल के कराह में भून दिए गए, जिंदा बीचों बीच से आरे लगा कर वैसे चीर दिए गए जैसे हम लकड़ी चीरते हैं, रूई के ढेर में बैठा कर जला दिए गए लेकिन उन सभी का शीश आक्रांताओं के नीचे झुका नहीं और न ही उन्होंने सनातन का शीश झुकने दिया। दिल्ली का शीशगंज गुरुद्वारा समेत ऐसे तमाम पवित्र स्थान आज हमारे इन गुरुओं के त्याग और बलिदान, उनकी वीरता और शौर्य के साक्षी हैं।

एक ओर मजहबी उन्माद, तो दूसरी ओर सबमें ईश्वर देखने वाली उदारता! एक तरफ नृशंस साम्प्रदायिक तत्व तो दूसरी तरफ शौर्य की ऐसी गाथाएँ, बावजूद इसके हमारे इतिहास को तोड़ मरोड़ कर ऐसा प्रस्तुत किया गया मानो हम सदा से ही पराजित कौम रहे हों, एक विशेष तरह का नैरेटिव गढ़ते हुए खास राजनीतिक विचारधारा और परिवार को आगे बढ़ाने के लिए हममें सतत हीनता बोध कराया गया। जबकि जिस देश की विरासत ऐसी हो, जिसका इतिहास ऐसा हो, उसमें स्वाभाविक रूप से स्वाभिमान और आत्मविश्वास कूट-कूटकर भरा होना चाहिए। लेकिन हमारे समाज ने अपनी कथा-कहानियों के माध्यम से इन गाथाओं को जीवित रखा, जिसे माननीय मोदीजी ने शासकीय स्तर पर भी मान्यता देकर इनकी स्मृतियों को अक्षुन्न बना हममें प्रेरणा और गौरव भाव जगाने का जो प्रयास किया इसके लिए मोदीजी की जितनी प्रशंसा की जाय, वह कम है।

हमारे साहिबजादों का जीवन संदेश देश के हर बच्चे तक पहुंचे, वो उनसे प्रेरणा लेकर देश के लिए समर्पित नागरिक बनें, हमें इसके लिए भी प्रयास करने हैं। वीर साहिबजादों के चरणों में सादर नमन। ।•••

भाषण का संपादित अंश।

मोदी गारंटी पर जनता की मुहर

- शशांक शर्मा

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक विजय मिला है। प्रदेश की कुल 90 सीटों में से 54 सीटें भाजपा के पक्ष में गई वहीं 35 सीटें कांग्रेस पार्टी के खाते में गई। पांच राज्यों के चुनाव घोषित होने के पूर्व छत्तीसगढ़ की चर्चा भारतीय जनता पार्टी की दृष्टि से एक कमजोर राज्य के रूप में हो रही थी। राष्ट्रीय मीडिया से लेकर स्थानीय पत्रकारों एवं राजनीतिक विश्लेषकों तक परिणाम आने के पूर्व भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की जीत का अनुमान लगाते रहे। एग्जिट पोल के परिणामों ने भी भारतीय जनता पार्टी के खेमे में एक चिंता की लकीर खींच दी थी। परंतु जैसे ही मतगणना के दिन सुबह से समय बीतता गया और कमल का फूल अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों में खिलता गया। आखिरकार भाजपा ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया।

छत्तीसगढ़ राज्य को मुख्यतः तीन हिस्सों में विभाजित किया जाता है, उत्तर का

संभाग की 64 सीटों में मुकाबला बराबरी का रहा। भाजपा को इनमें से 32 सीटें हासिल हुई, कांग्रेस 31 सीटों पर जीतने में कामयाब रही व 1 सीट पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी सफल रही। प्रतिशत की दृष्टि से देखें तो भारतीय जनता पार्टी के मत प्रतिशत में जबरदस्त उछाल आया है। 2018 में कुल 32.97 प्रतिशत वोट हासिल करने वाली भाजपा इस बार 46.27 प्रतिशत मत हासिल करने में सफल रही।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के पहले तीन मुद्दे प्रमुख रूप से हावी थे। उत्तर और

सरगुजा क्षेत्र, मध्य का मैदानी हिस्सा और दक्षिण का बस्तर क्षेत्र। उत्तर के सरगुजा क्षेत्र में 14 विधानसभा सीटें है तथा दक्षिण के बस्तर संभाग में 12 विधानसभा सीटें हैं। इन दोनों क्षेत्रों की कुल 26 सीटों में से 22 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल कर अजेय बढ़त बना ली। मैदानी क्षेत्रों के अंतर्गत रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग दक्षिण के जनजातीय क्षेत्रों में इसाई मिशनरियों द्वारा कराये जा रहे मतांतरण के कारण जनजातीय समाज में बेहद नाराजगी थी। वहीं मैदानी क्षेत्र में धान उत्पादन करने वाले किसानों को मिलने वाला अतिरिक्त मूल्य और छत्तीसगढ़िया वाद को लेकर चल रही सरकार को चुनाव का मुख्य मुद्दा माना जा रहा था। भारतीय जनता पार्टी ने भी अपना घोषणा पत्र में किसानों को धान के लिए 3100 रू. प्रति क्विंटल कीमत देने का वादा किया। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी ने भी धान के मूल्य को बढ़ाकर 3200 रू. प्रति क्विंटल करने और किसानों का कर्जा माफ करने का दांव खेला। इस चुनाव में कृषि और कृषक को केंद्र में रखकर दोनों राजनीतिक पार्टियों ने अपनी शुरूआत की।

भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में महतारी वंदन योजना के नाम से सभी विवाहित महिलाओं को 1000 प्रति माह रुपए देने का वादा किया। इस विधानसभा चुनाव के दौरान महिला मतदाताओं ने 50 से अधिक विधानसभा सीटों पर पुरुषों के मुकाबले अधिक मतदान किया था। यह भारतीय जनता पार्टी के विजय होने में बड़ा कारण बना।

भाजपा ने तीन चरण में अपनी रणनीति बनाई थी पहले चरण यह था कि कांग्रेस पार्टी के कुशल पिछले 5 वर्षों में हुए भयंकर भ्रष्टाचार जिसमें कोयला घोटाला शराब घोटाला राशन घोटाला और सरकारी पदों पर भर्ती के लिए आयोजित लोक सेवा आयोग एवं व्यवसायिक परीक्षा मंडल की परीक्षाओं में व्यापक गड़बड़ियों के कारण नाराज युवाओं के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। इसके बाद विकास के मुद्दे को पार्टी ने उठाया। पूरे प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को पक्का मकान नहीं मिलने के मुद्दों को जोर-जोर से उठाया गया।

दूसरे चरण में छत्तीसगढ़ में 2003 से 2018 के बीच डॉ रमन सिंह के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के दौरान किए गए व्यापक विकास कार्यों को तुलनात्मक दृष्टि से जनता के बीच पहुंचाने का प्रयास किया। इस रणनीति से भाजपा और कांग्रेस के बीच विकास कार्य और जनता के कल्याण के कार्य और विचार मतदाताओं तक पहुंचाया गया। तीसरे चरण में जब भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र को मोदी की गारंटी के रूप में जनता के सामने प्रस्तुत किया, इन विषयों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अपने चुनावी सभा में प्रमुखता से उठाया। यह चुनाव धीरे-धीरे मोदी की गारंटी और भूपेश के भरोसे के इर्द-गिर्द सिमटता चला गया, और भाजपा की यह ऐतिहासिक जीत संभव हुई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का पंच से सीएम तक की यात्रा

एक आदिवासी किसान के बेटे का पंच से मुख्यमंत्री तक की यह यात्रा काफी प्रेरणादायक है। श्री विष्णुदेव साय का जन्म 21 फरवरी 1964 को जशपुर के बगिया गांव में हुआ। उनके पिता श्री रामप्रसाद साय और माता का नाम श्रीमती जसमनी देवी है। 1989 में पहली बार ये वार्ड पंच चुने गए और यहीं से उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई। इसके बाद 1990 में बगिया से निर्विरोध सरपंच निर्वाचित हुए। श्री साय 1990 से 1998 तक तपकरा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रहे। इसके साथ ही सिर्फ 26 साल की उम्र में पहली बार विधायक चुने गए। वे 1999 से 2014 तक सांसद भी रहे। श्री विष्णुदेव साय माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में 2014 से 2019 तक राज्यमंत्री की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं। उन्होंने 2020 से 2022 तक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर काम किया। इससे पूर्व भी श्री साय दो बार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का दायित्व संभाल चुके हैं। 2022 में वो विशेष आमंत्रित राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य रहे। चुनाव में जनता ने उन्हें कुनकुरी विधानसभा से आशीर्वाद दिया और अब पार्टी ने उन पर बड़ा भरोसा जताते हुए सत्ता की कमान सौंप दी है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की राजनैतिक यात्रा

- 21 फरवरी 1964 को जशपुर के बगिया में जन्म
- पिता श्री रामप्रसाद साय व माता श्रीमती जसमनी देवी
- 1989 में पहली बार वार्ड पंच चुने गए
- 1990 में बगिया से निर्विरोध सरपंच निर्वाचित
- 1990 से 1998 तक तपकरा विस सीट से भाजपा प्रत्याशी
- 26 साल की उम्र में पहली बार विधायक चुने गए
- 1999 से 2014 तक रायगढ़ सीट से सांसद रहे
- 2014 से 2019 तक केंद्रीय मंत्रिमंडल में राज्यमंत्री
- 2020 से 2022 तक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष
- 2022 से विशेष आमंत्रित राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य
- 2023 में कुनकुरी विधानसभा से विधायक चुने गए

अधिवक्ता से उप मुख्यमंत्री तक की यात्रा

एबीवीपी के एक सामान्य कार्यकर्ता से प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पद तक का लंबा सफर संघर्ष से सफलता की प्रेरणा देता है। श्री अरुण साव का जन्म 25 नवंबर 1968 को बिलासपुर के जरहाभाटा में हुआ था। उनके पिता अभयराम साव किसान थे। उनका परिवार पीढ़ियों से समाजसेवा में जुटा है। इसी से प्रेरित होकर श्री साव भी छात्र जीवन से ही सामाजिक-राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने लगे। मुंगेली से ग्रेजुएशन और बिलासपुर से कानून की डिग्री लेने के दौरान वो एबीवीपी से जुड़े। 1990 में विद्यार्थी परिषद की मुंगेली जिला के अध्यक्ष बनाए गए और फिर बाद में राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य भी रहे। 1996 में उन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया गया। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में प्रैक्टिस के दौरान भी श्री साव राजनीति में सक्रिय रहे व आम लोगों की समस्याओं के लिए लड़ते रहे। समाजसेवा के जज्बे और आम लोगों में उनकी गहरी लोकप्रियता को भांपते हुए भाजपा ने श्री अरुण साव को लोकसभा चुनाव 2019 में बिलासपुर से टिकट दिया। इसके बाद 9 अगस्त 2022 को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। विधानसभा चुनाव 2023 में उन्होंने लोरमी सीट से विजय हासिल की और अब बतौर उप मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ की सेवा में जुट गए हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव की राजनीतिक यात्रा

- 25 नवंबर 1968 को जरहाभाटा, बिलासपुर में जन्म
- पिता का नाम अभयराम साव
- एसएनजी कॉलेज मुंगेली से स्नातक
- केआर लॉ कॉलेज बिलासपुर से लॉ की डिग्री
- 1990 से 1995 विद्यार्थी परिषद की मुंगेली इकाई के अध्यक्ष
- 1996 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष
- 2001 से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस
- 2019 में बिलासपुर लोकसभा सीट से चुनाव जीते
- 9 अगस्त 2022 को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने
- 3 दिसंबर लोरमी विधानसभा सीट से विधायक चुने गए

जिला पंचायत सदस्य से बने उप मुख्यमंत्री

भाजपा प्रदेश महामंत्री व विधायक श्री विजय शर्मा छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। किसान परिवार में जन्मे श्री विजय शर्मा जीवन के हर मोर्चे पर जुझारू रहे। श्री विजय शर्मा का राजनीतिक सफर छात्र जीवन में 1989 से शुरू हुआ और एबीवीपी के नगर इकाई के सह संयोजक बनाए गए। 1993 में छात्र संघर्ष मोर्चा के नाम से छात्र संगठन का गठन किया। 2004 में भाजयुमो के जिला अध्यक्ष और 2011 में भाजपा के जिला महामंत्री बनाए गए। 2015 में उन्होंने भाजपा के कार्यकारी जिला अध्यक्ष की भूमिका भी निभाई है। 2016 में श्री शर्मा को युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी गई। श्री विजय शर्मा जिला पंचायत सदस्य भी चुने गए थे। इसके बाद उन्होंने भाजपा के प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाई। कवर्धा में 2021 में बड़ा झंडा विवाद हुआ, जिसमें उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस सरकार के खिलाफ जबरदस्त मोर्चा खोल दिया था। उनकी मुखर आवाज को दबाने के लिए उन्हें जेल तक भेज दिया गया लेकिन अंत में जीत सच्चाई की हुई। 2023 के चुनाव में उन्हें विधानसभा का टिकट दिया गया। श्री विजय शर्मा ने पहली बार में ही जीत हासिल की और उन्हें प्रदेश का उपमुख्यमंत्री बनाया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की राजनीतिक यात्रा

- 19 जुलाई 1973 को कवर्धा में जन्म
- पिता का नाम रतनलाल शर्मा
- पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से M.Sc
- मध्य प्रदेश भोज ओपन यूनिवर्सिटी से MCA
- 1989 में ABVP के नगर इकाई सह संयोजक
- 1993 में छात्र संघर्ष मोर्चा का गठन
- 2004 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष
- 2011 में भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री
- 2015 में भाजपा के कार्यकारी जिला अध्यक्ष
- 2016 में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष
- 2020 में जिला पंचायत सदस्य चुने गए
- 2022 भाजपा के प्रदेश महामंत्री

सांस्कृतिक पुनरोदय की बेला

- शुभम उपाध्याय

पांच शताब्दियों के बाद अयोध्या जी की पवित्र भूमि पर भगवान श्री रामलला का भव्य मंदिर अपनी निर्माण प्रक्रिया पूरी होने की ओर अग्रसर है, जिसकी प्रतीक्षा सम्पूर्ण विश्व में करोड़ों राम भक्त कर रहे हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के नवमंदिर में 'बाल राम' के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा पौष माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को शुभ मुहूर्त में होनी है, जो अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 22 जनवरी, 2024 है। विभिन्न ज्योतिषाचार्यों एवं पञ्चाङ्ग के जानकार पंडितों से विशेष सलाह कर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने इस तिथि का चयन किया है, जो अग्निबाण मृत्युबाण,चोरवाण, नृपवाण और रोगवान से मुक्त है। इस तिथि पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ जी एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल माननीय आनंदीबेन पटेल समेत देश के गणमान्य नागरिक, न्यास के सदस्य एवं सनातन संस्कृति के साधु, संत भी उपस्थित होंगे।

आज जो हम इस तिथि के बारे में सोच कर ही गौरवांवित महसूस कर रहे हैं, तथा नये मंदिर का विचार करते ही मन प्रफुल्लित हो रहा है, इसके पीछे बीते 5 शताब्दियों का संघर्ष है। और यह संघर्ष केवल अदालती या दस्तावेजी नहीं है, बल्कि इसके लिए रामभक्तों ने अपने सीने में गोलियां खाई हैं। जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी पांच अगस्त 2020 को नये मंदिर की आधारशिला के लिए भूमि पूजन किया था, तब मानो ऐसा महसूस हुआ कि अब तक के सबसे लंबे संघर्ष की परिणीति हुई। मन आनंदित हो उठा कि अब हमारे रामलला की पवित्र जन्मस्थली आक्रमणकारियों से

पूर्णतः मुक्त हुई।

अयोध्या नगरी को 500 वर्ष पूर्व आतताइयों ने जो कलंक दिया था, उसे मिटाया जा चुका है, लेकिन इस कलंक को लगने और इसे मिटाने की गाथा ना केवल एक मंदिर या एक नगरी की गाथा है, बल्कि यह पूरी गाथा भारत राष्ट्रीय स्वाभिमान की और सनातन समाज के अभिमान की गाथा है। अयोध्या नगरी में मुगल आक्रांता बाबर के आदेश पर उसके शिया सेनापति मीर बाकी ने 21 मार्च, 1528 को अयोध्या जी में अवस्थित मंदिर को ध्वस्त किया था। यह मंदिर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का मंदिर था, जो उनकी जन्मस्थली पर बना हुआ था। यह वो मंदिर था जिसे भगवान श्रीराम के वंशजों ने रघुकुल की विरासत को संजोए रखने के किए बनाया था जिसका पुनरुद्धार कालांतर में राजा विक्रमादित्य ने करवाया था।

युगों के इस परिवर्तनीय काल में भी अडिग खड़ा भगवान श्री राम का यह मंदिर सनातन संस्कृति के संवाहकों के लिए आस्था का बड़ा केंद्र था। यह भी एक बड़ा कारण है कि आक्रांताओं ने इस मंदिर को ध्वस्त करने का कुत्सित कृत्य किया। जिस मंदिर को मुगल आक्रांताओं ने ध्वस्त किया था उसका निर्माण 57 ई.पू. में युग प्रवर्तक विक्रमादित्य ने ही करवाया था। ऐसा नहीं है कि मंदिर ध्वंस के समय इसका विरोध नहीं हुआ, दरअसल रामजन्म मुक्ति के लिए कुल 76 युद्ध लड़े गए। केवल औरंगजेब के ही काल में 30 बार युद्ध हुए।

दशम गुरु गोबिंद सिंह जी ने निहंगों को राम मंदिर मुक्ति संघर्ष के लिए भेजा

था। अंग्रेजी आक्रांताओं की सत्ता के दौरान भी यह संघर्ष निरंतर चलता रहा, जिसके बाद 1885 से लेकर 1934 तक अनेक प्रकार की घटनाएं घटित हुईं। स्वाधीनता के पश्चात जब देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की आकांक्षा के अनुरूप सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ, तब यह मांग उठी की इसी तर्ज पर राम मंदिर का भी निर्माण किया जाए। लेकिन जिस तरह कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के विरुद्ध थे, उन्होंने अयोध्या की मांग को भी अनसुना कर दिया। इसके बाद प्रभु ने अपना चमत्कार दिखाया। वर्ष 1949 के दिसंबर माह में विवादित ढांचे के भीतर रामलला प्राकट्य प्रसंग सामने आया। तत्कालीन कांग्रेस सरकार के निर्देश पर एक बार फिर हिंदुओं के पूजन स्थल पर ताला बंदी कर दी गई। 1984 तक लगातार अदालती प्रक्रिया चलती रही और इसमें हिंदुओं के पक्ष को कमजोर करने के लिए कांग्रेस ने भरसक प्रयास किए।

वर्ष 1984 में विश्व हिंदु परिषद की धर्मसंसद में एकमत से रामजन्मभूमि मुक्ति का प्रस्ताव पास किया गया। तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस पार्टी ने यहां भी अपनी राजनीति करते हुए ताला खोलने का दिखावा किया, लेकिन पर्दे के पीछे से राम लला की जन्मभूमि की मुक्ति में अड़चन लगाते रहे। इस बीच हिंदुओं को जागरूक करने का कार्य कर रहा विश्व हिंदु परिषद मंदिर निर्माण के लिए अग्रसर हो रहा था। एक तरफ जहां कांग्रेस पार्टी और उसके नेता मुस्लिम तुष्टिकरण में हिंदुओं को उनके आराध्य देव की जन्मभूमि से अलग करने में लगे थे, वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में भी राम मंदिर निर्माण करने का वादा किया।

इस बीच 25 सितंबर, 1990 को भाजपा की रथयात्रा शुरू हुई जो सोमनाथ से अयोध्या जी तक जानी थी। दिलचस्प बात यह है कि इस रथयात्रा का नेतृत्व कर रहे थे भाजपा के पितृ पुरुषों में से एक लालकृष्ण आडवाणी जी और उनके सारथी बने थे भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी। इसी रथ यात्रा से

कारसेवकों ने प्रण लेना आरंभ किया और कहा 'सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे', और फिर शुरू हुई भारतीय संस्कृति के राष्ट्रीय उत्थान का नया अध्याय। अयोध्या जी पहुंचने से पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 1992 में दोबारा कारसेवा शुरू हुई और अंततोगत्वा कारसेवकों ने अयोध्या नगरी के माथे पर कलंक के रूप में खड़े तीन गुम्बदों को ध्वस्त कर विवादित ढांचे को जमींदोज कर दिया। इससे तिलमिलाई कांग्रेस सरकार देशभर की भाजपा सरकारों को भंग कर दिया। जिस दौर में मुलायम सिंह यादव जैसे नेता कारसेवकों पर गोलियां चलवा रहे थे, उस दौर के नेता कल्याण सिंह ने मुख्यमंत्री की कुर्सी राम मंदिर के लिए 100 बार ठुकराने की बात कही थी, सोचिए क्या था वो दौर?

एक बार फिर शुरू होता है अदालती दौर, जिसमें भी हिन्दु पक्ष को विजय मिली। लेकिन कांग्रेस समेत तमाम कम्युनिस्ट समूहों ने अट्टहास करते हुए हिंदुओं को नीचा दिखाने का प्रयास किया। एक तरफ जहां भाजपा के नेता राम मंदिर के लिए जनजागरण का कार्य कर रहे थे, वहीं कांग्रेस की केंद्र में मौजूद सरकार भगवान श्रीराम को काल्पनिक साबित करने के लिए कोर्ट में हलफनामा दे रही थी। एक तरह जहां इस्लामिक तुष्टिकरण में डूबी कांग्रेस सरकार भगवान श्रीराम के मंदिर के विरोध में अपने नेताओं को कोर्ट में वकील बनाकर खड़ी कर रही थी, तो दूसरी ओर तथाकथित निष्पक्ष पत्रकार हिंदुओं को ही मंदिर स्थल पर अस्पताल और स्कूल बनाने का ज्ञान दे रहे थे।

तथाकथित सेक्युलर दल ताना मारते थे कि 'मंदिर वहीं बनाएंगे, लेकिन तारीख नहीं बताएंगे', लेकिन इन्हें यह ज्ञान नहीं था कि यह कार्य केवल भाजपा या संघ का नहीं वरन सम्पूर्ण हिन्दु समाज का है, और प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से हिन्दु समाज इसे पूरा करने में सक्षम है। आज वही समूह राम मंदिर के निर्माण कार्य में कमियां निकाल रहा है, कुछ लोग प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं बुलाए जाने पर नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं, कुछ ने तो बुलाए जाने पर भी जाने से इंकार कर दिया है और कांग्रेस जैसी पार्टी तो अभी भी श्रीराम को लेकर असमंजस में है। खैर, प्रभु श्रीराम का मंदिर तो आस्था का केंद्र है, जिसे हिन्दु समाज ने रणभूमि, न्यायभूमि और राजनीति की भूमि में लंबे संघर्ष के बाद प्राप्त किया है, इसीलिए हमें इस विजय पर गर्व है। ।•••

भाजपा के नव-निर्वाचित विधायक

भरतपुर-सोनहत

श्रीमती रेणुका सिंह

मनेन्द्रगढ़

श्री श्याम बिहारी

बैकुंठपुर

श्री भैयालाल राजवाड़े

प्रेमनगर

श्री भूषण सिंह मराबी

भटगांव

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

प्रतापपुर

श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते

रामानुजगंज

श्री रामविचार नेताम

सामरी

श्रीमती उधेश्वरी पैकरा

लुण्ड्रा

श्री प्रबोध मिंज

अंबिकापुर

श्री राजेश अग्रवाल

सीतापुर

श्री रामकुमार टोप्पो

जशपुर

श्रीमती रायमुनी भगत

कुनकुरी

श्री विष्णुदेव साय

पत्थलगांव

श्रीमती गोमती साय

रायगढ़

श्री ओ.पी. चौधरी

कोरबा

श्री लखन लाल देवांगन

कटघोरा

श्री प्रेमचंद पटेल

मरवाही

श्री प्रणव कुमार मरपच्ची

लोरमी

श्री अरुण साव

मुंगेली

श्री पुन्नु लाल मोहले

तखतपुर

श्री धर्मजीत सिंह

बिल्हा

श्री धरमलाल कौशिक

बिलासपुर

श्री अमर अग्रवाल

बेलतरा

श्री सुशांत शुक्ला

बसना

श्री संपत अग्रवाल

महासमुंद

श्री योगेश्वर राजू साहू

बलौदाबाजार

श्री टंकराम वर्मा

धरसींवा

श्री अनुज शर्मा

रायपुर ग्रामीण

श्री मोतीलाल साहू

रायपुर पश्चिम

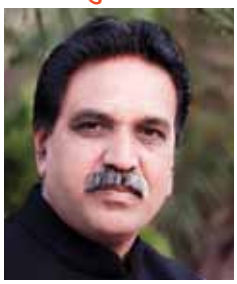

श्री राजेश मूणत

रायपुर उत्तर

श्री पुरंदर मिश्रा

रायपुर दक्षिण

श्री बृजमोहन अग्रवाल

आरंग

गुरु खुशवंत साहेब

अभनपुर

श्री इंद्रकुमार साहू

राजिम

श्री रोहित साहू

नई उमंगें

कुरुद

श्री अजय चंद्राकर

दुर्ग ग्रामीण

श्री ललीत चंद्राकर

दुर्ग शहर

श्री गजेंद्र यादव

वैशाली नगर

श्री रिकेश सेन

अहिवारा

श्री डोमन लाल

साजा

श्री ईश्वर साहू

बेमेतरा

श्री दीपेश साहू

नवागढ़

श्री दयालदास बघेल

पंडरिया

श्रीमती भावना बोहरा

कबीरधाम

श्री विजय शर्मा

राजनांदगांव

डॉ. रमन सिंह

अंतागढ़

श्री विक्रम उसेंडी

कांकेर

श्री आशाराम नेताम

केशकाल

श्री नीलकंठ टेकाम

कोंडागांव

सुश्री लता उसेंडी

नारायणपुर

श्री केदार कश्यप

जगदलपुर

श्री किरण देव

चित्रकोट

श्री विनायक गोयल

दंतेवाड़ा

श्री चैतराम अटामी

नव-निर्वाचित मंत्रीगण

श्री विष्णुदेव साय

सामान्य प्रशासन, खनिज संसाधन, ऊर्जा, जनसंपर्क, आबकारी और परिवहन विभाग

श्री अरूण साव

लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विधि और विधायी तथा नगरीय प्रशासन विभाग

श्री विजय शर्मा

गृह, जेल, पंचायत तथा ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा, रोजगार के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

श्री बृजमोहन अग्रवाल

स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास, धर्मस्व, पर्यटन और संस्कृति विभाग

श्री रामविचार नेताम

आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग तथा अल्संख्यक विकास, कृषि विकास और किसान कल्याण विभाग

श्री दयालदास बघेल

खाद्य एवं नागरिक और उपभोक्ता संरक्षण विभाग

श्री केदार कश्यप

वन, जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास और सहकारिता विभाग

श्री लखनलाल देवांगन

वाणिज्य, उद्योग और श्रम विभाग

श्री श्यामबिहारी जायसवाल

लोक स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग

श्री ओ.पी. चौधरी

वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास तथा पर्यावरण योजना, आर्थिक और सांख्यिकीय विभाग

श्री लक्ष्मी राजवाड़े

महिला बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग

श्री टंकराम वर्मा

खेलकूद, युवा कल्याण, राजस्व विभाग

नये प्रदेश अध्यक्ष

श्री किरण देव

जगदलपुर के विधायक श्री किरण देव प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष नियुक्त हुए हैं। श्री किरण सिंह देव पिछले 30 साल से सामाजिक राजनीति में सक्रिय हैं। 1989 में उन्होंने रविशंकर विश्वविद्यालय से लॉ की पढ़ाई की। 2009 में जगदलपुर नगर निगम के महापौर बनाए गए और 2023 में जगदलपुर सीट से पहली बार विधायक चुनकर आए हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा के एक कार्यकर्ता के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत करने वाले श्री किरण सिंह देव भाजयुमो और भाजपा के जिला अध्यक्ष भी रहे हैं। इसके साथ ही भाजपा संगठन में कई दायित्वों का निर्वहन कर चुके श्री किरण सिंह देव जी प्रदेश मंत्री, महामंत्री के साथ ही बस्तर जिला भाजपा अध्यक्ष व युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष भी रहे हैं।

मृदुभाषी श्री किरण देव सर्व वर्ग में लोकप्रिय हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में पार्टी संगठन नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी और आगामी लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 11 सीट जीत कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की डबल इंजन की सरकार को और मजबूत करेगी। प्रदेश में मोदी की गारंटी का लाभ सबको मिले इस संकल्प के लिए प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण देव जी हर मोर्चे में मजबूती से जुट गए हैं।

श्री किरण सिंह देव जी की राजनीतिक यात्रा

- 1985-86-छात्र संघ अध्यक्ष शासकीय स्नात्तकोत्तर, महाविद्यालय जगदलपुर
- 1998 - जिला उपाध्यक्ष, भाजयुमो बस्तर
- 2002 – जिलाध्यक्ष, भाजयुमो बस्तर
- 2002-05 – जिलाध्यक्ष, भाजपा बस्तर
- 2005-09- प्रदेश मंत्री, भाजपा
- 2009-14 - प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भाजपा
- 2009-14 – महापौर, नगर पालिक निगम जगदलपुर
- 2014-20- प्रदेश मंत्री, भाजपा
- 2020-22 - प्रदेश महामंत्री, भाजपा
- 2022 – भाजपा संभाग प्रभारी, बिलासपुर
- 2023- विधायक, जगदलपुर

सत्ता और संगठन के समन्वय से संवारेंगे छत्तीसगढ़: प्रदेशाध्यक्ष

श्री किरण देव से नईदुनिया के सीनियर रिपोर्टर विनोद सिंह से बातचीत की। चर्चा के प्रमुख अंश साभार।

Q छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है। पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को किस तरह से मजबूत करेंगे?

A भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। लाखों कार्यकर्ताओं की अनुशासित, कर्मठ फौज है। भाजपा की असली पहचान ही इसका संगठनात्मक ढांचा है। जिसकी रीढ़ कार्यकर्ता हैं। केंद्रीय स्तर से लेकर मंडल स्तर पर हमारा संगठन मजबूत है। मैं भी पार्टी का एक साधारण कार्यकर्ता हूं। मुझे अध्यक्ष पद का दायित्व केंद्रीय नेतृत्व ने सौंपा है। मेरे पास संगठन में काम करने का लंबा अनुभव है। अध्यक्ष के रूप में आने वाली चुनौतियों को कार्यकर्ताओं के बल पर पार कर लूंगा इसका पूरा विश्वास है।

Q लोकसभा चुनाव में मिशन-2024 को लेकर आपका और पार्टी का क्या लक्ष्य है?

A छत्तीसगढ़ में अभी हमारे पास 9 सीटें हैं। दो सीटें कांग्रेस के पास है। आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का सफाया हो जाएगा और भाजपा सभी 11 सीटें जीतेगी। हमारे पास केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चमत्कारिक नेतृत्व और पार्टी के केंद्रीय संगठन के वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन है। भाजपा छत्तीसगढ़ की सभी सीटें जीतकर देगी, इसका मुझे पूरा विश्वास है। पिछले दिनों मैं दिल्ली में था। वहां पार्टी की बैठक में प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आदि का मार्गदर्शन मिला है। प्रदेश भाजपा मिशन को पूरा करने जुट चुकी है। मोदी की हर गारंटी पूरी करने सरकार और संगठन कृत संकल्पित है। इस पर काम भी शुरू हो चुका है।

Q सत्ता और संगठन के बीच आप तालमेल कैसे बिठाएंगे?

A भाजपा के लिए यह कोई विषय नहीं है। पूरे देश में जहां भी भाजपा की सरकार है वहां सत्ता और संगठन के बीच आपसी समझ, सामंजस्य से दोनों प्रदेश और देश के विकास में अपनी-अपनी भूमिका निभा रहे हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। मंत्रिमंडल के अधिकांश सदस्यों के पास संगठन में काम करने का दीर्घ अनुभव है। ऐसे में तालमेल बिठाने की जरूरत पड़ेगी क्या ? छग के सर्वांगीण विकास और जन कल्याण के लिए सत्ता और संगठन मिलकर पहले भी काम कर चुके हैं और आगे भी करते रहेंगे। प्रदेश में आपकी पार्टी की सरकार है, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते आपका क्या योगदान होगा? विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों जहां विधानसभा चुनाव में पार्टी को प्रचंड जीत मिली है।

कांग्रेस के पांच साल के कुशासन को प्रदेश की जनता देख चुकी है। आदिवासियों को उनके अधिकारियों से वंचित किया गया। उनके सम्मान को ठेस पहुंचाई गई। भाजपा आदिवासियों के साथ पूरे समय हर परिस्थिति में खड़ी रही। इन क्षेत्रों में भाजपा पर आदिवासियों के साथ हर वर्ग के लोगों ने विश्वास जताया और प्रचंड जीत मिली। बस्तर और सरगुजा की 26 में से 22 सीटों पर भाजपा के विधायक जीतकर आए हैं। इनके विश्वास को पार्टी हमेशा बनाए रखेगी। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मेरी जिम्मेदारी होगी कि मैं इन क्षेत्रों पर पूरी नजर रखूं और यहां के विकास और जनकल्याण के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करूं। मैं आदिवासी बहुल बस्तर क्षेत्र के जगदलपुर से विधायक हूं, मेरी दोहरी जिम्मेदारी है जिसे पूरा करने दिन-रात मेहनत करूंगा।

Q आपकी प्रदेशाध्यक्ष पद पर नियुक्ति कई लोगों के लिए चौकाने वाली है। नियुक्ति के बाद आपकी राष्ट्रीय नेतृत्व से मुलाकात हुई, दिल्ली से क्या संदेश मिला है?

A मैं 30 सालों से पार्टी का सदस्य हूं और 25 सालों से लगातार पार्टी संगठन में किसी न किसी दायित्व का निर्वहन करता आ रहा हूं। प्रदेश महामंत्री के पद पर भी काम कर चुका हूं। हमारी पार्टी में पद निर्वहन का दायित्व दिया जाता है। मुझे भी प्रदेश अध्यक्ष पद का दायित्व दिया गया है। आप लोगों को चौकाने वाला निर्णय लग रहा है तो मैं क्या करूं? पार्टी में तो ऐसी कोई बात नंजर नहीं आई। दिल्ली में सभी वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन मिला है। एक ही संदेश है मिला है कि छत्तीसगढ़ की जनता की सेवा में निरंतर लगे रहो । मिशन-2024 के लिए जुट जाएं और प्रदेश की सभी 11 सीटें जीतने जनता का आशीर्वाद प्राप्त करें।

शानदार विजय के लिए कार्यकर्ताओं का अभिनंदन : भाजपाध्यक्ष

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के पश्चात पार्टी के केंद्रीय कार्यालय विस्तार, नई दिल्ली में आयोजित अभिनंदन समारोह को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने संबोधित किया। इससे पहले आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने यशस्वी प्रधानमंत्री जी का करोड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से अभिनंदन किया और भाजपा की इस जीत का श्रेय माननीय प्रधानमंत्री जी के कालजयी नेतृत्व, कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और माननीय प्रधानमंत्री जी एवं भाजपा के प्रति जनता के अपार प्यार, समर्थन और आशीर्वाद को दिया। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी, केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री राजनाथ सिंह जी सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता एवं भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को प्रचंड बहुमत के साथ जीत मिलने पर जनता के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम ने स्पष्ट संदेश दिया है कि "देश में किसी की गारंटी है तो एक ही गारंटी है – वह आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी है। विधानसभा चुनावों के नतीजों ने एक और स्पष्ट संदेश दिया है कि "मोदी है, तो मुमकिन है।"

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने बहुत बड़ी जीत हासिल की है। इसके लिए मैं अपनी ओर से और पार्टी के करोड़ों -कार्यकर्ताओं की ओर से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति अभार प्रकट करता हूँ। साथ ही, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की जनता को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को आशीर्वाद दिया है।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जब भी कोई चुनाव लड़ती है चाहे वो देश का चुनाव हो या प्रदेश का हो, समय अनुकूल हो या प्रतिकूल हो, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमेशा आगे बढ़कर नेतृत्व को संभाला है और चुनौतियों को स्वीकार किया है। उनके अथक प्रयास और मेहनत से संगठन एवं चुनाव की रणनीतियों की छोटी-छोटी बारीकियों को ध्यान में रखकर चुनावी नतीजों को बेहतर परिणाम तक पहुंचाया है। सिर्फ इस बार हुए विधानसभा चुनावों में नहीं, बल्कि इससे पहले हुए अनेक चुनावों में उन्होंने बेहतर परिणाम दिलाया है।

राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम को रेखांकित करते हुए माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनावों के नतीजों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि देश ने समझ लिया है कि अगर कोई गांवों को मजबूती दे सकता है, तो वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी दे सकते हैं। गांव, गरीब, वंचित, शोषित, दलित, आदिवासी भाई बहनों को समाज की मुख्यधारा में कोई ला सकता है, तो वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ही ला सकते हैं। देश में सबको

श्री नड्डा ने कहा कि विधानसभा चुनाव परिणामों ने एक और संदेश दिया है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के "विकास" का पलड़ा इंडी एलायंस की "जातिवाद और तुष्टिकरण" की राजनीति पर भारी है। इंडी एलायंस ने इस चुनावों में जातिवाद फैलाने, समाज को खंडित करने, देश को बांटने की कोशिश की और तुष्टिकरण की राजनीति को आगे बढ़ाया है, लेकिन देश एवं प्रदेश की जनता ने जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति को सिरे से नकार दिया है।

विश्वास है कि चाहे महिला सशक्तिकरण हो या चाहे किसानों के सम्मान की बात हो, या युवाओं की आकांक्षाओं एवं इच्छाओं को साकार करने की बात हो, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ही सबको साथ लेकर सबके सपनों को साकार करेंगे।

श्री नड्डा ने कहा कि विधानसभा चुनाव परिणामों ने एक और संदेश दिया है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के "विकास" का पलड़ा इंडी एलायंस की "जातिवाद और तुष्टिकरण" की राजनीति पर भारी है। इंडी एलायंस ने इस चुनावों में जातिवाद फैलाने, समाज को खंडित करने, देश को बांटने की कोशिश की और तुष्टिकरण की राजनीति को आगे बढ़ाया है, लेकिन देश एवं प्रदेश की जनता ने जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति को सिरे से नकार दिया है।

आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनावों में नए-नए जोश और नारों के साथ I.N.D.I. एलायंस के नेता घड़ियाली आंसू बहाकर ओबीसी-ओबीसी का रट लगाए हुए थे। I.N.D.I. एलयांस के नेता भूल जाते हैं कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी ओबीसी समुदाय से आते हैं। उन्होंने समाज में सबका साथ और सबका विकास का प्रण लेकर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को बढ़ाया है। लेकिन, कांग्रेस ने इस चुनाव में जिस प्रकार से देश के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पर अभद्र टिप्पणियां की है, वह न सिर्फ असंसदीय है, बल्कि बहुत ही निम्न स्तरीय राजनीति एवं मानसिकता का भी प्रतीक है। कांग्रेस नेताओं ने ऐसी टिप्पणी की है कि उसे दोहराना भी उचित नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने देश के प्रधानमंत्री पर ऐसी गंदी टिप्पणियां करते समय भी यह भी ध्यान में नहीं रखा कि श्री नरेन्द्र मोदी जी को गाली देने का मतलब पिछड़ी जाति (ओबीसी) को गाली देना है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि एक (कांग्रेस) नेता हैं, जो कहते हैं कि मैं माफी नहीं मांगूंगा। उनकी रस्सी जल गयी किंतु बल नहीं गया है। इस चुनाव के नतीजों ने ऐसे नेताओं के बल एक बार नहीं, बल्कि अनेकों पर खत्म किया है।

श्री नड्डा ने भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत को सराहते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं को हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने पूरी लगन एवं मेहनत से चुनाव में उतर कर पार्टी को जीत दिलायी है। मीडिया पूछती थी कि भाजपा की रणनीति क्या है? उन्हें मालूम होना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी की एक ही रणनीति है कि पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ता दिन-रात जमीन पर मेहनत करते हैं। यह उसी का परिणाम है कि विधानसभा चुनावों में पार्टी को बेहतर परिणाम मिला है। इसके लिए भाजपा के कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं। उन्होंने जनता को परमेश्वर की संज्ञा देते हुए कहा कि भाजपा को किसी जाति, समुदाय या समूह का नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का आशीर्वाद मिला है, इसके लिए मैं उनके प्रति अभार प्रकट करता हूँ। ।•••

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं : किरण देव

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ की जनता को राज्य निर्माता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती व सुशासन दिवस की बधाई दी है। इस मौके पर श्री देव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया कि उन्होंने मोदी की गारंटी पूरी करनी प्रारंभ की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने प्रदेश के किसानों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय वादा पूरा करते हुए 12 लाख किसानों के खाते में 3716 करोड़ से ऊपर की राशि भेज रहे हैं। यह किसानों के परिवार व छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की उन्नति में भी सहायक होंगे। श्री देव ने सभी भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती और सुशासन दिवस पर भाजपा की केंद्र व नवगठित प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन करें।

कांग्रेस पार्टी का चरित्र हमेशा महिला विरोधी रहा हैः भाजपा

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कांग्रेस के महतारी वंदन योजना पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा महिला विरोधी रही है। कांग्रेस पार्टी महिलाओं को केवल अपना वोट बैंक समझती रही है। भाजपा ने महिलाओं के लिए कई योजनाएं संचालित की हैं, जिनका लाभ प्रदेश की महिलाओं को मिला है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो घोषणाएं की हैं, वे सभी घोषणाएं अवश्य पूरी होंगी, क्योंकि यह मोदी जी की गारंटी है। जिसकी पूरी होने की पूरी गारंटी है। प्रदेश में सरकार बनते ही भाजपा ने अपनी संकल्पों को पूरा करना प्रारंभ कर दिया है। अभी तक भाजपा ने एक महीने के भीतर ही अपने तीन संकल्पों को पूरा कर दिया है और महतारी वंदन योजना सहित सभी योजनाओं पर कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। प्रदेश की महिलाओं को जल्द ही महतारी वंदन योजना के तहत 1000 रुपए प्रतिमाह मिलना प्रारंभ हो जाएगा। जिसके कारण कांग्रेस पार्टी के नेताओं की नींद उड़ गई है और ऊल जुलूल बयानबाजी कर प्रदेश की महिलाओं को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं लेकिन प्रदेश की महिलाएं कांग्रेस के भ्रमजाल में आने वाली नहीं हैं। प्रदेश की महिलाएं समझ चुकी हैं कि भाजपा जो कहती है उसे पूरा करती है।

भाजपा जो निर्णय लेती है, वह जनता के हित में होते हैं : केदार गुप्ता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने तंज कसा है कि कांग्रेस नेता अपनी पार्टी को सबसे पुरानी पार्टी बता रहे हैं और हालत यह है कि उसके स्थापना दिवस पर भी ढोकर ले जाना पड़ रहा है। कोई स्वस्फूर्त इस कार्यक्रम में जाना नहीं चाहता। श्री गुप्ता ने कहा कि किसी के दिल में आज कांग्रेस के लिए सम्मान बाकी नहीं है और जब सम्मान बाकी नहीं तो स्वस्फूर्त जाएंगे कैसे? कार्यकर्ताओं को ढोने के लिए जिला अध्यक्षों को 10 गाड़ी और विधायकों को 50 गाड़ी का टारगेट थमाया गया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री गुप्ता ने कहा कि निश्चित रूप से कांग्रेस का पूरी तरह से सूर्य का अस्त हो चुका है और आज अपने कार्यकर्ताओं को खींच-खींचकर स्थापना दिवस पर ले जाना पड़ रहा है, यह बड़े शर्म की बात है। श्री गुप्ता ने कहा कि काल परिस्थिति के अनुरूप समाज की और जनता की जो आवश्यकता है, उन आवश्यकताओं का अध्ययन करके योजनाओं को फिर से चालू किया जाएगा या उनकी समीक्षा करके उन्हें बंद किया जाएगा परंतु जो भी निर्णय होगा वह जनता के हित में होगा और कांग्रेस पार्टी की सरकार में जो बंदरबाँट थी, उसे बंद किया जाएगा।

श्री गुप्ता ने कहा कि 20 करोड़ रुपए का माँ दंतेश्वरी में डीएमएफ के तहत कैसे काम हो रहा था? पूरा भ्रष्टाचार कर दिया। न गाय को छोड़ा,न राम को छोड़ा, ना ही दंतेशवरी माँ को छोड़ा,धर्म के नाम पर डीएमएफ में भी 20 करोड़ का भ्रष्टाचार सामने आया, यह बंदरबाँट अब नहीं चलेगी।

भाजपा विकास और जनता के हित के लिए कार्य करती है : शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शुक्रवार को कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खारा, निवासपुर, उसरवाही, लोहारीडीह, भेलवाटोला, खम्हरिया में जनसंपर्क कर लोगों से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र की जनता ने बड़ी संख्या में पहुँचकर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा का स्वागत किया। अपने स्वागत से अभिभूत श्री शर्मा ने क्षेत्र की जनता का आभार माना। इस दौरान क्षेत्र की जनता ने श्री शर्मा को अपनी समस्याओं से अवगत भी कराया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कवर्धा की जनता ने जो आशीर्वाद दिया है, उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूँ। अब हमें कवर्धा के विकास के लिए मिलकर कार्य करना है और सरकार की सभी योजनाओं का लाभ कवर्धा की जनता को मिले और उनकी ज़रूरतें भी पूरी हो, इस दिशा में कार्य करना है। कांग्रेस राज के दौरान कवर्धा में जो अशांति फैली हुई थी, उसे दूर कर अब हमें मिलकर कवर्धा सहित पूरे छत्तीसगढ़ का विकास करना है। श्री शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं का लाभ पूरी जनता को मिले इसके लिए भी हमें कार्य करना है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनते ही भाजपा ने जो घोषणाएँ की हैं, उन्हें पूरा करना प्रारंभ कर दिया गया है। सबसे पहले प्रदेश में लंबित 18 लाख प्रधानमंत्री आवास को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूरा करने की दिशा में राज्यांश देने की घोषणा करके प्रदेश की गरीब जनता को पक्की छत देने का अनुकरणीय कार्य किए हैं। यह मोदी की गारंटी है जिसकी पूरी होने की पूरी गारंटी है।

मातृ शक्ति फिर से खिलाएंगे लोकसभा में कमल : किरण देव

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में संपन्न हुई। बैठक में नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं नवनिर्वाचित महिला विधायकों का सम्मान किया गया। भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी ने बैठक में आए नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जी का तिलक लगाकर स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने संपन्न हुए चुनाव में लगातार दिन-रात एक कठोर परिश्रम किया। भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा परिवार का सदस्य है। जिस तरह से हमारे कार्यकर्ताओं ने बस्तर से लेकर सरगुजा तक के सुदूर अंचलों में जाकर लोगों के बीच भाजपा की रीति नीति से उन्हें अवगत कराया और प्रदेश की जनता ने भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनाकर छत्तीसगढ़ को विकास की धारा में जोड़ने के लिए और छत्तीसगढ़ को समृद्ध और विकसित बनाने के लिए भाजपा को चुनी है।

प्रदेश को कांग्रेस के ग्रहण से मुक्त करने वाली जनता को नमन : साव

छत्तीसगढ़ के तात्कालीन प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने भाजपा की ऐतिहासिक जीत को छत्तीसगढ़ के गांव गरीब किसान मजदूर और युवाओं की जीत निरूपित करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने आज कांग्रेस रूपी अभिशाप से छत्तीसगढ़ को मुक्त करते हुए विकास का मार्ग चुन लिया है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा सरकार के शपथ समारोह का न्यौता देने आए थे। छत्तीसगढ़ की जनता के हम आभारी हैं कि मोदी जी का न्यौता आपने स्वीकार किया। मोदी जी की गारंटी पर विश्वास किया। जिसकी वजह से छत्तीसगढ़ कुशासन, अन्याय, अत्याचार, आतंक और भ्रष्टाचार से मुक्त हुआ है। राज्य में कांग्रेस के आतंक राज पर भाजपा के जीवट कार्यकर्ता के संघर्ष की जीत जनता के आशीर्वाद का प्रतिफल है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति छत्तीसगढ़ की जनता का विश्वास, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी का मार्गदर्शन, देश के गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति, हमारे प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, चुनाव सह प्रभारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, संगठन के सह प्रभारी नितिन नबीन का कुशल निर्देशन, सभी वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन और हमारे प्रत्येक कार्यकर्ता का जुझारूपन इस शानदार जीत के मुख्य कारक हैं।

उपराष्ट्रपति का उपहास उड़ाने से भाजपा में रोष, राहुल गांधी का पुतला दहन किया

भारत की संसद के बाहर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल उतारने और उपहास उड़ाने के मामले ने तुल पकड़ लिया है जहां एक ओर जानकार इस कृत्य को खासा अव्यावहारिक करार दिया है वहीं भारतीय जनता पार्टी भी तृणमूल कांग्रेस के नेता कल्याण बैनर्जी और कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी के इस कृत्य पर खासा रोष व्यक्त किया है आपको बता दें की मंगलवार को संसद भवन के सामने तृणमूल कांग्रेस के नेता द्वारा उपराष्ट्रपति की नकल उतार कर उपहास उड़ाया जाता है और कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी इस हरकत का लाइव वीडियो बनाते है और इस कृत्य में सहयोगी की तरह खड़े रहते हैं। इस बात को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है साथ भाजपा नेताओ में खासा रोष व्याप्त है जिसके विरोध में आज राजधानी रायपुर के धरना स्थल पर भाजपा के जिला अध्यक्ष जयंती पटेल के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना दिया गया एवं धरने के पश्चात राहुल गांधी का पुतला भी जलाया गया।

ग्यारह का ग्यारह लोकसभा लक्ष्य हमारा : किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश भर से आये भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हम सब ने देव तुल्य कार्यकर्ताओं के कारण प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने मेंसफल रहे हैं। हमें जीत की इस सिलसिला को जारी रखना होगा। हमारा लक्ष्य है कि ग्यारह के ग्यारह लोकसभा सीट जीतनी होगी। इसके लिए हम सब को अभी से जुटना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मोदी की गारंटी को पूरा करने में जुट गयी है। हमने हर स्तर पर जो वादा किया था उसे पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि केंन्द्र व राज्य की जन कल्याणकारी योजना को समाज के अंतिम व्यक्ति तक लेकर जायें। इसके साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव के लिये अभी से सक्रिय हो जायें।

छत्तीसगढ़ को संवारने का लेना होगा संकल्प : भाजपा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रदेशवासियों को नव आंग्ल वर्ष पर बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा है कि आने वाला वर्ष छत्तीसगढ़ महतारी के आँचल में सुख- समृद्धि, विश्वास, सफलता, आरोग्य, तमाम कठिनाइयों को पार करने की शक्ति और आनंद का वास वाला होगा। श्री देव ने कहा कि हम सब मिलकर बीते वर्ष के पवित्र जनादेश की भावनाओं को आत्मसात् करके एक नए छत्तीसगढ़ की रचना और उसे सँवारने के लिए संकल्पित हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद अन्याय-आतंक और भ्रष्टाचार के अंधकार को चीरकर सेवा-सुशासन और गरीब कल्याण का जो नया सूर्योदय हुआ है, उसके आलोक में अब एक नया छत्तीसगढ़ आकार लेने जा रहा है। युवाओं के साथ पूरा न्याय करते हुए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाकर उनकी प्रतिभा का सम्मान तो किया ही जाएगा, उनको रोजगार के विभिन्न अवसर मुहैया कराते हुए और नया रायपुर को मध्य भारत का इनोवेशन हब बनाकर रोजगार के अवसर पैदा करने का संकल्प करके भाजपा की सरकार उनके सुनहरे सपनों को एक नई उड़ान भरने का अवसर देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 18 लाख ग्रामीण परिवारों के लिए राशि स्वीकृत करके भाजपा की प्रदेश सरकार ने गरीब परिवारों को पक्की छत मुहैया कराने की पहल करके विश्वास की नई चमक उन आँखों में पैदा की है, जो वर्षों से अपने घर के सपने के पूरा होने के इंतजार में पथरा गई थीं।

छत्तीसगढ़ में सच्चे अर्थों में भरोसे की सरकार की स्थापना अब हुई हैः शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश प्रभारी संदीप शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार ने सत्ता सम्हालते ही छत्तीसगढ़ के किसानों को सन् 2014-15 एवं सन् 2015-16 के उपार्जित धान के बकाया बोनस का भुगतान करते हुए सुशासन दिवस के दिन 25 दिसम्बर को 3,716 करोड़ रुपए किसानों के खाते में सीधे जमा कर किया है। श्री शर्मा ने कहा कि किसानों को दिए गए बोनस से किसानों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आएगा और अब किसानों का जीवन खुशहालीपूर्ण होगा।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश प्रभारी श्री शर्मा ने कहा कि इन दो वर्षों में 1 करोड़ 23 लाख 49 हजार 034 मीट्रिक टन धान की कुल खरीदी हुई थी। भाजपा की सरकार ने आरंभ में ही किसानों को 2 वर्षों के धान का बकाया बोनस का भुगतान कर दिया है। भाजपा की सरकार ने अभूतपूर्व कदम उठाया है। श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा ही किसानों की सच्ची हितचिंतक है। खाद की सब्सिडी, सॉइल हेल्थ कार्ड किसान सम्मान निधि जैसी अनेक योजनाओं से केंद्र की मोदी सरकार ने किसानों को सीधा लाभ पहुंचाया है। 'मोदी की गारंटी' के तहत प्रदेश की भाजपा सरकार ने 31सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी भी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल देश के लिए ही नहीं, अपितु पूरी दुनिया के लिए आशा का केंद्र बिंदु हैं। गांव-गरीब, मजदूर, किसान एवं महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार करने के लिए केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य की भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है।

भारतीय किसान संघ ने किया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आत्मीय अभिनंदन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर 3100 रुपये प्रति क्विंटल, प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का आदेश जारी होने से छत्तीसगढ़ के किसान खुशी से झूम उठे। किसानों को अब प्रति एकड़ के मान से 23,355 रूपए का ज्यादा भुगतान होगा। इस साल 130 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमान है। राज्य में लगभग 40 हजार करोड़ रुपए की धान खरीदी होगी। धान बेच चुके किसानों को भी इस आदेश का लाभ मिलेगा। 25 दिसम्बर राष्ट्रीय सुशासन दिवस पर किसानों को 3716 करोड़ रुपए बकाया बोनस का भुगतान किया जाएगा। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर अमल शुरू होने पर भारतीय किसान यूनियन छत्तीसगढ़ ने राज्य अतिथि गृह पहुना में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आत्मीय अभिनंदन करते हुए कहा कि किसानों को भाजपा की किसान हितैषी सरकार के गठन की प्रतीक्षा थी। किसानों की सरकार के मुखिया विष्णुदेव साय ने बहुत ही अल्प समय में मोदी जी की बड़ी गारंटियां पूरी कर दी हैं। राज्य के किसानों ने भाजपा पर भरोसा किया। भाजपा किसानों के भरोसे का सम्मान कर रही है।

किसानों, गरीबों का कल्याण कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं: भाजपा

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने बोनस की राशि को लेकर कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला के बयान को हताश निराश कांग्रेस का व्यर्थ ही खंभा नोंचना करार देते हुए कहा कि भाजपा की विष्णुदेव सरकार मोदी जी की गांरटी पूरी करती जा रही है तो कांग्रेस की पहले से ही भ्रष्ट मति पूरी तरह कुंद हो गई है। भाजपा ने 18 लाख आवासहीन परिवारों के लिए आवास मंजूर कर बजट का इंतजाम किया। अटलजी की जयंती पर किसानों को दो साल का बकाया बोनस दे दिया गया तो इसमें भी कांग्रेस को तकलीफ हो रही है। मोदी जी की गारंटी के तहत 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीद रहे हैं तो इसमें भी कांग्रेस को कष्ट यह है कि लोकसभा चुनाव में वह शून्य में गोते लगाने वाली है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा की सरकार ने किसानों को उनका हक दिया है। कांग्रेस ने किसानों को धोखा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि हर किसी के साथ फर्जीवाड़ा करना कांग्रेस की संस्कृति है। फर्जीवाड़े के अलावा कांग्रेस ने 5 साल में कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि हार के बाद कांग्रेस जनता का अपमान करती है।

लोकसभा चुनाव के लिए जुट जाएं युवा मोर्चा : विष्णुदेव साय

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की मंडल सशक्तीकरण कार्यशाला आज भाजपा प्रदेश मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में सम्पन्न हुई। भाजपा क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्पिता बड़ाजेना, प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अमन दीप सिंह, भाजयुमो प्रदेश प्रभारी आलोक डंगस, दीप ज्योति मुंड द्वारा माँ भारती, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घघाटन किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारत माता की जय के उद्घोष के साथ भाजपा की सरकार बनाने भाजयुमो के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने भाजपा पर विश्वास किया है, हर वादे को पूरा करना है। एक छोटा सा कार्यकर्ता आज मुख्यमंत्री बना है। ये सिर्फ भाजपा में ही संभव है। पार्टी सब का काम देखती है। समय के अनुसार उसका ध्यान भी रखती है। हम चुनाव जीते हैं, इसमें मोदी जी की गारंटी का बहुत बड़ा योगदान है। सबका साथ लेकर सबका विकास हमको करना है। मोदी जी का भरोसा जनता में बरकरार रखना है। मोदी जी की गारंटी पांच साल में पूर्ण होगी। पहली कैबिनेट में गरीबों को मकान देने का काम हमने किया है।

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से क्यों परेशान हैं कांग्रेसी: भाजपा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा में सियासी नफा-नुकसान के लिहाज शामिल होने या न होने को लेकर कांग्रेस की दुविधा को शर्मनाक बताते हुए कहा है कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान के बाद कांग्रेस का राजनीतिक चरित्र बेनकाब हो गया है। प्रधानमंत्री के मंदिर जाने पर ऐतराज जताने वाली कांग्रेस चाहती ही नहीं थी कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बने, अब जब यह बनकर तैयार हो गया है तो कांग्रेसी इससे दूरी बना रहे हैं। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि ये वही लोग हैं जो रामसेतु तोड़ने के लिए अदालत में शपथपत्र देकर भगवान राम को काल्पनिक बताते फिर रहे थे। ऐसे लोग इस देश की जड़ों और संस्कृति व मूल्यों से कटे हुए हैं, अब यह आईने की तरह साफ हो चला है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री श्रीवास्तव ने कहा कि देश में सभी नागरिक चाहते हैं कि अयोध्या में वे रामलला का दर्शन करें। देश के विपरीत, देश के विचारधारा के विपरीत जाकर कांग्रेस के नेता पित्रोदा और कांग्रेस सांसद शशि थरूर समेत तमाम लोगों ने इस पर प्रश्नचिह्न लगाने की कोशिश की है।

छत्तीसगढ़ में मोदी गारंटी पर तेजी से अमल हो रहा : किरण देव

दिल्ली में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय बैठक में राष्ट्रीय नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ की जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रदेश भाजपा संगठन की ओर से विचार व्यक्त किए। उन्होंने राष्ट्रीय नेतृत्व को जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ में मोदी जी की गारंटी पर अमल शुरू हो गया है। कैबिनेट की पहली बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की मंजूरी देकर बजट में प्रावधान किया गया है। उन्होंने अटलजी की जयंती राष्ट्रीय सुशासन दिवस 25 दिसंबर के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष अवसर पर राज्य के किसानों को 2 वर्ष का बकाया बोनस दिया जा रहा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ में हुई शानदार जीत के बारे में कहा कि अविभाजित मध्यप्रदेश के इतिहास के समय से अब तक छत्तीसगढ़ में भाजपा की यह सबसे बड़ी जीत। उन्होंने भाजपा केंद्रीय नेतृत्व को बताया कि छत्तीसगढ़ के युवाओं और महिलाओं ने भी जीत में बड़ी भूमिका निभाई है। भाजपा ने कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार और अपराध के विषय को लगातार उठाया। इसके खिलाफ जन आंदोलन किया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव ने केंद्रीय नेतृत्व, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्षजेपी नड्डा, देश के गृहमंत्री अमित शाह सहित सभी के मार्गदर्शन हेतु प्रदेश भाजपा की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा सह प्रभारी नितिन नबीन, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय मौजूद रहे।

टिप्पणी करने वाले भूपेश बघेल अपने गिरेबान में झांकेः रंजना साहू

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा भाजपा के मंत्रिमंडल पर टिप्पणी करने के बाद भाजपा की पूर्व विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता रंजन साहू ने तीखा हमला बोलते हुए सवाल किया है सीनियर जूनियर की बात करने वाले भूपेश बघेल जी बताएं कि उन्होंने श्री टी एस सिंहदेव का अपमान बार-बार क्यों किया। रंजना ने कहा कि अगर सीनियर जूनियर की चिंता भूपेश बघेल ने अपने मुख्यमंत्री रहते की होती तो आज उन्हें शायद इतनी बुरी हार का सामना न करना पड़ता। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रंजना साहू ने कहा कि यह समय कांग्रेस के लिए आत्म मंथन का है परंतु आज भी कांग्रेस बेवजह की टीका टिप्पणियों में अपना समय जाया कर रही है यह इस बात को प्रमाणित करता है कि आगे भी कांग्रेस का भविष्य अंधकार मय होगा। भूपेश बघेल जी को बताना चाहिए कि उनके पदाधिकारी जो गंभीर आरोप अपने प्रदेश प्रभारी सह प्रभारी पर लगा रहे हैं और स्वयं मुख्यमंत्री रहते भूपेश बघेल के कार्यकाल पर लगा रहे हैं उसका क्या जवाब है कांग्रेस के महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला ने बयान दिया था कि कांग्रेस की सरकार रहते छत्तीसगढ़ दिल्ली वालों के लिए अय्याशी का अड्डा बन गया था भूपेश बघेल जी का इस पर क्या कहना है? भूपेश बघेल जी के करीबी माने जाने वाले बृहस्पति सिंह लगातार कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता श्री सिंहदेव का अपमान करते रहे, उन पर झूठे आरोप तक लगाए, बात जान से मरने मारने तक पर भी पहुंच गई थी तब भूपेश बघेल क्यों चुप रहे? श्रीमती रंजना ने कहा कि अगर उन्होंने सवाल किया ही है तो हम यही कहना चाहते हैं कि भाजपा ने तो आते ही 18 लाख गरीब परिवारों को मकान स्वीकृत कर दिए, 2 वर्ष का बोनस दे दिया धान की खरीदी की लिमिट 21 क्विंटल कर दी।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी सर्वानुमति से छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। विधानसभा में अध्यक्ष पद हेतु मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, रायपुर दक्षिण के विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत समेत तमाम शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में राजनांदगांव से विधायक और डॉ. रमन सिंह ने नामांकन सौंपा।

छत्तीसगढ़ को मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसाः विष्णुदेव साय

प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा की कोर कमेटी, प्रदेश पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष गण की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में विशेष रूप से उपस्थित छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि 'मोदी की गारंटी' पर लोगों को विश्वास है और जैसी जीत विधानसभा में हुई है, वैसे ही लोकसभा में प्रदेश की सभी 11 सीटें जीतेंगे। पिछली सरकार ने छत्तीसगढ़ की दुर्गति कर दी थी, जनता उससे छुटकारा पाना चाहती थी। जहां भी हम जाते हैं, वहां जनता में भारी उत्साह दिखता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा, प्रदेश सह प्रभारी नितिन नवीन, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय सहित सभी का स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय नेतृत्व, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित सभी केंद्रीय मंत्रियों, संगठन के सभी नेताओं, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश, प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, प्रदेश चुनाव सह प्रभारी मनसुख मांडविया, सह प्रभारी नितिन नबीन और छत्तीसगढ़ के सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में 'मन की बात' सुनते राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिव प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जम्वाल, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री किरण सिंह देव, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री पवन साय, उपमुख्यमंत्री द्वय श्री अरुण साव, श्री विजय शर्मा एवं मंत्रीगण।

सत्य ही ईश्वर है: साजा विधानसभा से कद्दावर कांग्रेसी मंत्री को पटखनी देकर विधानसभा पहुंचे श्री ईश्वर साहू इस चुनाव में जिहादी ताकतों से संघर्ष के प्रतीक बन गए थे।

हसदेव जंगल की दोषी पूर्व की कांग्रेस बहा रही घड़ियाली आंसू : ठाकुर

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज पर हसदेव जंगल कटाई पर झूठी राजनीति करने का आरोप लगाते हुवे कहा कि कांग्रेस हसदेव वन में कोयला खदान और पेड़ों की कटाई के नाम पर आदिवासियों एव छत्तीसगढ़ की जनता को गुमराह कर रही है जबकि आदिवासी समाज एवं छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस के चरित्रों को जानती है इसलिए कांग्रेस को नकार दिया दीपक बैज को ज्ञात हो टीएस सिंहदेव जब कांग्रेस सरकार में मंत्री थे तो कहा था हसदेव में पेड़ काटने के पहले वो अपने सीने में गोली खाएंगे पर उसके बाद भी भूपेश बघेल जी ने मुख्यमंत्री रहते पेड़ो की कटाई जारी रखी और छत्तीसगढ़ की जनता को विकास एवं बिजली की जरूरत बता कर गुमराह किया। तब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को सांप सूंघ गया था कांग्रेस हमेशा दोहरा चरित्र लेकर राजनीति करती है। देवलाल ने कहा कि जब 43 हेक्टेयर में फैले पेड़ों की कटाई हुई तब राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उस समय जब मीडिया ने सवाल किया तो बघेल ने इसे देशहित के लिए जरुरी बताया था। गौर करने वाली बात यह भी है कि 2015 में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी भी इस आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने खूब राजनीति कर जंगल नहीं कटने देने का झूठा वादा किया था, जबकि खदान का आंवटन इन्ही की कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र की यूपीएस सरकार ने 2010 में किया था। ।•••

निवेदन

दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं या WhatsApp कर सकते हैं। फोन से भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

कार्यकारी संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर
डूमरतराई, रायपुर। (छग), फोन : 0771-2233500, WhatsApp : 9425507006, Email : jay7feb@gmail.com

बोलती तस्वीरें : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, चुनाव सहप्रभारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव, विजय शर्मा ने दिल्ली में मुलाकात की।

सुशासन दिवसः मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वादे के मुताबिक किसानों के दो वर्षों के बोनस का ऑनलाइन किया।

RNI No.CHHHIN/2004/13926

डाक पंजी. क्रमांक : छ.ग./रायपुर संभाग/78/2023-25

बधाई अध्यक्ष जी...